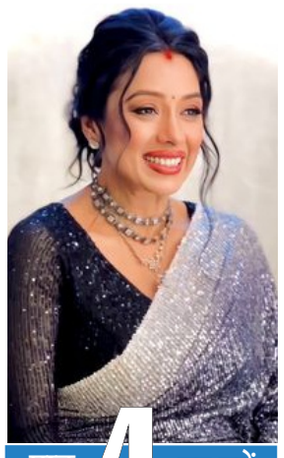

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

मुंबई में बिजली कटौती पर भड़कीं रूपाली गांगुली

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

उल्हास विकास

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 80 ■ मंगलवार 2 जून 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

संजय पाटिल की हत्या की जांच CBI को सौंपे

- अंबरनाथ में 22 अक्टूबर 2024 को हुई थी हत्या
- पत्नी विद्या पाटिल ने की मांग
- मास्टरमाइंड अभी भी फरार

अंबरनाथ. पुराने अंबरनाथ गांव के रहने वाले संजय पाटिल की हत्या की जांच अभी तक पूरी नहीं होने का आरोप लगाते हुए उनकी पत्नी विद्या पाटिल ने जांच सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (CBI) को सौंपने की मांग की है। उन्होंने रविवार, 31 मई को रोटरी क्लब अंबर हॉल ऑडिटोरियम में हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपना पक्ष रखा। विद्या पाटिल की दी गई जानकारी के मुताबिक, 22 अक्टूबर, 2024 को शिव मंदिर रोड पर मे फ्लावर गार्डन हाउसिंग कॉम्प्लेक्स इलाके में संजय पाटिल की धारदार हथियार से 32 बार वार करके बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। हालांकि इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, लेकिन उनका आरोप है कि हत्या का दूसरा आरोपी और मास्टरमाइंड अभी भी फरार है। पुलिस ने संजय पाटिल की हत्या के कुछ ही घंटों के अंदर आरोपी सूरज विलास पाटिल और हर्ष सुनील पाटिल को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने कहा कि हत्या जमीन के झगड़े में की गई थी। शुरुआत में, पाटिल परिवार ने इस मामले में लोकल पुलिस की जांच पर सवाल उठाते हुए हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की थी। इसके बाद कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश के बाद केस की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) बनाने और 12 हफ़्ते में जांच पूरी करने का निर्देश दिया था। लेकिन, पांच महीने से ज़्यादा समय बीत जाने के बाद भी जांच पूरी नहीं हुई है। साथ ही, पाटिल परिवार ने बार-बार बातचीत के बाद भी जांच के बारे में डिटेल में जानकारी न मिलने पर अफ़सोस जताते हुए शक जताया कि इसके पीछे सिर्फ़ दो आरोपी नहीं बल्कि 15 से 20 हत्यारे हैं। विद्या पाटिल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि वह जांच CBI को सौंपने के लिए फिर से कोर्ट में अर्ज़ी देंगी। इस बीच, उनके परिवार ने अलग-अलग बोर्ड लगाकर इंसाफ़ मांगा। इस समय, 'CBI को जांच सौंपी जाए', 'आरोपियों को मौत की सज़ा दी जाए' जैसी मांगें रखी गईं। उन्होंने यह भी मांग की कि हत्या में शामिल सभी आरोपियों को गिरफ़्तार किया जाए और केस की निष्पक्ष जांच की जाए।

मानसून में लैंडस्लाइड का खतरा

- ठाणे जिले में 87 जगहों पर लैंडस्लाइड की लिस्ट तैयार

ठाणे. यह जिला खाड़ी के किनारे प्रकृति से घिरा एक पहाड़ी इलाका है। बढ़ते शहरीकरण के कारण, पहाड़ों को काटकर ऊंचे-ऊंचे हाउसिंग कॉम्प्लेक्स बनाए जा रहे हैं। इस कारण पहाड़ों के कमजोर होने से लैंडस्लाइड होता है। हर साल, जिला और स्थानीय स्व-सरकारी निकाय मानसून के मौसम में लैंडस्लाइड दुर्घटनाओं को रोकने के लिए उपाय करते हैं।

इसी के अनुसार, जिला प्रशासन ने इस साल के मानसून के दौरान पैदा हुए हालात का रिव्यू किया है और 87 जगहों पर लैंडस्लाइड वाले इलाकों की लिस्ट तैयार की है, और जरूरी उपाय किए जाएंगे, जिला प्रशासन ने बताया।

ठाणे जिले में इस समय शहरीकरण की हवा बहुत ज्यादा चल रही है। रिहायशी इमारतों, इंडस्ट्री, बिजनेस, मेट्रो प्रोजेक्ट वगैरह के कारण जमीन की कीमत बढ़ गई है। जब शहर या ग्रामीण इलाकों में खास जगहों पर सीमेंट कंक्रीट के जंगल उग रहे हैं, तो प्रकृति नाराज हो रही है।

5 तालुकाओं में 51 सबसे ज़्यादा इलाके

ठाणे ज़िला प्रशासन ने ज़िले में 87 जगहों पर लैंडस्लाइड वाले इलाकों की लिस्ट तैयार की है, जिसमें छह महानगर पालिकाएं और ग्रामीण इलाकों की नगर पालिकाएं शामिल हैं। ज़िला प्रशासन के मुताबिक, इनमें से ज़िले के पांच तालुकाओं में 51 सबसे ज़्यादा लैंडस्लाइड वाले इलाके हैं, इसके बाद छह महानगर पालिकाओं के तहत 32 लैंडस्लाइड वाले इलाके हैं, और नगर परिषद इलाके में चार जगहें भी लैंडस्लाइड वाले इलाके हैं।

इसी तरह, पहाड़ों पर भी बड़े पैमाने पर अतिक्रमण किया जा रहा है। इस वजह से पहाड़ों की मिट्टी कमज़ोर हो जाती है और मानसून के मौसम में लैंडस्लाइड और लैंडस्लाइड के हादसे होते हैं। हालांकि, ठाणे ज़िले में पहाड़ों की चोटियों के नीचे रहने वाले लोगों पर लैंडस्लाइड का डर मंडरा रहा है। साथ ही, पहले भी मानसून के मौसम में शहरी और ग्रामीण इलाकों में पहाड़ों की चोटियों पर लैंडस्लाइड के हादसे हुए हैं, और कई लोगों की मौत हो चुकी है। इसलिए, ज़िला प्रशासन ने बिना किसी झिझक के ऐसे हादसों को रोकने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं।

उल्हासनगर-3 में धोखादायक पंचमुखी इमारत गिरी

- इमारत खाली थी, कोई जनहानि नहीं
- अग्निशमन विभाग ने किया बचाव कार्य
- इमारत का मलबा पास के घर पर गिरा
- 3 लोग बाल-बाल बचे
- चार मंजिला इमारत के दो फ्लोर गिरे

उल्हासनगर. उल्हासनगर-3 स्थित पंचमुखी नामक एक चार मंज़िला खतरनाक बिल्डिंग को मनपा द्वारा गिराया जा रहा था। लेकिन रविवार रात को दो मंज़िलें गिराने के बाद, बाकी की दो मंज़िलें अचानक गिर गईं। इमारत का मलबा पड़ोस के घरों पर गिरा, तो तीन लोग फंस गए। खुशकिस्मती से, इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। ज्ञात हो कि उल्हासनगर मनपा द्वारा कैंप 3 के पंचमुखी में चार मंज़िला खतरनाक बिल्डिंग को गिराने का काम कर रहा था। इनमें से दो मंज़िलें मशीनरी की मदद से गिरा दी गईं। हालांकि, आज रात बाकी की दो मंज़िलें अपने आप गिर गईं। जैसे ही ये दो मंज़िलें सीधे पड़ोस के घरों पर गिरी, ज़ोरदार आवाज़ सुनाई दी और इलाके में डर का माहौल बन गया। बिल्डिंग के पड़ोस के घरों पर गिरने से घर के तीन लोग मलबे में दब गए। घटना की जानकारी मिलते ही फायर डिपार्टमेंट के अधिकारी और कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे। फायर डिपार्टमेंट ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया, मलबा हटाया और फंसे हुए तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

कल्याण स्टेशन पर 20 किलो गांजे के साथ दो गिरफ्तार

कल्याण. जीआरपी ने कल्याण स्टेशन पर 20 किलो गांजे के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह कल्याण आरपीएफ के जवान प्लेटफार्म नंबर 4-5 पर ड्यूटी पर तैनात थे। कोणार्क एक्सप्रेस से यात्रा करके कल्याण उतरे दो संदिग्धों से आरपीएफ जवानों ने पूछताछ की। पूछताछ करने पर समाधानकारक उत्तर ना मिलने पर आरपीएफ जवानों ने जीआरपी को सूचित किया। इसके बाद जीआरपी ने पुलिस स्टेशन लाकर उनके पास मौजूद बैग की तलाशी ली। तलाशी लेने पर उनके बैग से 20 किलो गांजा बरामद हुआ। जीआरपी पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे जांच शुरू कर दी है।

बुजुर्ग को लूटने वाले 9 आरोपी गिरफ्तार

- गिरफ्तार आरोपियों में 6 नाबालिग शामिल
- CCTV की मदद से पकड़े गए आरोपी
- गैंग का मास्टरमाइंड नाबालिग

कल्याण. डोंबिवली की विष्णुनगर पुलिस ने सुबह की सैर पर जा रहे एक बुजुर्ग को पीटने और लूटने के मामले में 9 आरोपियों को गिरफ़्तार किया है। आरोपियों में से छह नाबालिग हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि एक नाबालिग लड़का ही इस गैंग का मास्टरमाइंड है। इस नाबालिग लड़के ने एक व्यक्ति की हत्या भी की है।

बाल सुधार गृह से भागने के बाद नाबालिग लड़के ने अपने नाबालिग भाई के साथ मिलकर चोरों का गैंग बनाया। कुछ दिन पहले, डोंबिवली पश्चिम के देवीची पाड़ा इलाके में रहने वाले 64 साल के एक बुजुर्ग को कुछ लड़कों ने डंडे से पीटा था, जब वह सुबह की सैर पर जा रहे थे। पिटाई से बुज़ुर्ग बेहोश हो गए। इसका फ़ायदा उठाकर चोरों ने उनके गले से ढाई तोले के गहने लूट लिए और भाग गए। इलाके में लगे CCTV की मदद से विष्णुनगर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की और नौ लोगों को पकड़ लिया। पुलिस ने इस मामले में अब तक नौ आरोपियों को गिरफ़्तार किया है। इनमें से छह नाबालिग हैं। इन छह नाबालिगों को भिवंडी बाल सुधार गृह भेज दिया गया है। जबकि बाकी तीन आरोपियों को विष्णुनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इनमें चिंतन नंदा, मोहित जाधव और स्वप्निल भोईर शामिल हैं। मोहित और चिंतन दोनों ही इस क्राइम में शामिल थे। स्वप्निल ने चोरी के गहने दिवा के एक ज्वैलर को बेच दिए थे।

अंबरनाथवासियों ने किया पार्किंग का बॉयकॉट

- कॉन्ट्रैक्टर की मनमानी से परेशान वाहन चालक
- 400 की जगह 700 रुपए वसूले जा रहे

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर पालिका की पार्किंग में ठेकेदार की खुली लूट ने लोगों का प्रशासन पर से भरोसा पूरी तरह खत्म कर दिया है। सरकारी रेट से 300 रुपये ज़्यादा वसूले जाने का वीडियो और डिजिटल पेमेंट का सबूत देने के बाद भी नगर पालिका प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है, जिससे गुस्साए गाड़ी मालिकों ने सीधे इस पार्किंग का बॉयकॉट कर दिया है और प्रशासन को तमाचा मारा है।

गंभीर आरोप हैं कि अंबरनाथ (ईस्ट) में शिवाजी महाराज चौक के पास पार्किंग चलाने वाली 'कार शाइन' कंपनी ने ओरिजिनल रेट में छेड़छाड़ करके लोगों को लूटना शुरू कर दिया है। नगर पालिका ने टू-व्हीलर के मंथली पास के लिए जहां 400 रुपये का रेट तय किया है, वहीं संबंधित ठेकेदार द्वारा 700 रुपये तक वसूले जा रहे हैं।

लोगों ने इस बारे में प्रशासन को सबूत और ऑनलाइन पेमेंट के वीडियो सौंपे। लेकिन, नगर पालिका की इस पर साफ अनदेखी के कारण ड्राइवरों ने यहां अपनी गाड़ियां पार्क न करने का फैसला किया है। इस पार्किंग में न सिर्फ़ पैसे की लूट हो रही है, बल्कि यहाँ का मिसमैनेजमेंट भी यात्रियों के लिए सिरदर्द बन रहा है।

मुंबई-ठाणे, नवी मुंबई जाने वाले कर्मचारियों को काम से लौटने पर हर शाम अपनी गाड़ियाँ ढूँढ़ने के लिए 15 से 30 मिनट तक जूझना पड़ता है। इसके अलावा, ऐसी शिकायतें भी सामने आई हैं कि पार्किंग में खड़ी गाड़ियाँ सुरक्षित नहीं हैं और गाड़ियों के कई स्पेयर पार्ट्स टूटे हुए हैं। गाड़ियों के लिए कोई शेड नहीं बनाया गया है और ये गाड़ियाँ धूल से खराब हो रही हैं। जो गाड़ी मालिक इस नुकसान के बारे में पूछते हैं, उनके साथ वहाँ के कर्मचारी बुरा बर्ताव करते हैं, जिससे नागरिकों में नाराज़गी बढ़ गई है।

- किराणा दुकान से बच्चे ने खरीदा था कोन

कल्याण. कल्याण पूर्व के चक्की नाका गुण गोपाल मंदिर इलाके में आइक्रीम में कीड़ा निकलने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है, एक बच्चे द्वारा खरीदी गई कोन आइसक्रीम में कथित तौर पर लंबा कीड़ा मिलने से हड़कंप मच गया।

मिली जानकारी के अनुसार न्यू रचना पार्क स्थित एक किराना दुकान से बच्चे ने आइसक्रीम खरीदी थी। जैसे ही उसने आइसक्रीम खाना शुरू किया, उसके अंदर से करीब तीन इंच लंबा कीड़ा दिखाई दिया। इस घटना की जानकारी मिलते ही बच्चे के परिजन दुकान पर पहुंच गए और उन्होंने तीव्र नाराजगी जताते हुए जवाब मांगा। मौके पर स्थानीय रहिवासी जमा हो गये और काफी देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही। मामले की गंभीरता को देखते हुए दुकानदार ने संबंधित कंपनी के डिस्ट्रीब्यूटर को भी मौके पर बुलाया। और खबर मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

दुकानदार का कहना है कि इस मामले में उसकी कोई गलती नहीं है, क्योंकि आइसक्रीम की एक्सपायरी डेट वर्ष 2027 तक वैध है और उत्पाद सीलबंद अवस्था में कंपनी से प्राप्त हुआ था। वहीं बच्चे के परिजनों ने इस पूरे मामले की उचित जांच कर जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। सवाल यह उठता है कि यदि उत्पाद की एक्सपायरी डेट वैध थी तो आइसक्रीम के अंदर यह कीड़ा कैसे पहुंचा। क्या यह निर्माण प्रक्रिया में हुई लापरवाही का मामला है या फिर सप्लाई चेन में कहीं चूक हुई है। फिलहाल इस घटना ने खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता नियंत्रण को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

तेज रफ्तार कार ने कई लोगों को मारी टक्कर

- गुस्साए लोगों ने कार में की तोड़फोड़

उल्हासनगर. शनिवार रात अंबरनाथ और उल्हासनगर के बीच एक तेज़ रफ़्तार कार ने सनसनी फैला दी। सड़क पर लापरवाही से दौड़ रही कार ने कई लोगों को टक्कर मार दी, जिससे लोगों में डर का माहौल बन गया। गुस्साए लोगों ने आखिरकार फॉलोअर लाइन चौराहे पर कार को घेर लिया, लेकिन ड्राइवर मौका पाकर मौके से भाग गया।

अंबरनाथ से उल्हासनगर की ओर आ रही एक कार तेज़ रफ़्तार से दौड़ी और कई ड्राइवरों और पैदल चलने वालों को टक्कर मार दी। चश्मदीदों के मुताबिक, ऐसा लग रहा था कि कार ड्राइवर ने गाड़ी पर से कंट्रोल खो दिया था। कार आगे बढ़ती रही, रास्ते में कई लोगों को टक्कर मारती रही, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। कुछ घायल लोगों को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने फॉलोअर लाइन चौराहे पर कार को रोककर घेर लिया। हालांकि, मची अफरा-तफरी का फायदा उठाकर ड्राइवर मौके से भाग गया। इससे लोगों का गुस्सा और बढ़ गया और उन्होंने कार में तोड़फोड़ की और पीछे का शीशा तोड़ दिया।

वालधुनी नदी के किनारे कचरे का ढेर

- 10 महीने से नदी के किनारे कचरा
- बाढ़ और सेहत को खतरा

उल्हासनगर. मानसून का मौसम बस कुछ ही दिन दूर है, और यह बात सामने आई है कि पिछले साल वालधुनी नदी के किनारे से निकाली गई गाद और कचरा दस महीने से नदी के किनारे सड़ रहा है, जिससे प्रशासन के नदी सफाई अभियान में रुकावट आ रही है। एक तरफ जहां वालधुनी को फिर से ठीक करने और साफ-सफाई के लिए करोड़ों रुपये खर्च करने की घोषणा की जा रही है, वहीं असल में प्रशासन ने निकाले गए कचरे को हटाने की जहमत तक नहीं उठाई है।

इस लापरवाही की वजह से इस मानसून के मौसम में फिर से नदी के किनारे कचरा घुसने का खतरा है, जिससे इलाके में बाढ़ और गंभीर सेहत की समस्याएं हो सकती हैं। पिछले साल जुलाई 2025 में प्रशासन ने बड़े जोर-शोर से वालधुनी नदी के किनारे सफाई अभियान चलाया था। उस समय, पोकलेन और दूसरी मशीनों की मदद से नदी के किनारे से बड़ी मात्रा में गाद, प्लास्टिक, पेड़ और दूसरा ठोस कचरा निकाला गया था। लेकिन, इस कचरे को डंपिंग ग्राउंड या सही जगह पर ले जाने के बजाय, इसे नदी के किनारे ही फेंक दिया गया।

दस महीने बाद भी, यह कचरा वहीं पड़ा है और अब पूरी तरह से सड़ने लगा है। स्थानीय लोगों की शिकायत है कि इस सड़े हुए कचरे से इलाके में बहुत ज़्यादा बदबू आ रही है और मच्छरों, कीड़ों और फैलने वाली बीमारियों के मामले बढ़ गए हैं। इससे खासकर नदी के किनारे बसी बस्तियों में रहने वाले लोगों की सेहत को खतरा हो गया है।

अभी, आने वाले मानसून को देखते हुए शहर में एक बार फिर से नाले की सफाई और नदी की सफाई का काम शुरू कर दिया गया है। लेकिन, पिछले साल का कचरा अभी तक नहीं उठाया गया है, इसलिए लोग यह सवाल उठा रहे हैं कि प्रशासन नए जमा हुए कचरे का क्या करेगा। नदी की सफाई के नाम पर सिर्फ कागजी कार्रवाई करने के बजाय, बर्तन से जमा हुए कचरे का साइंटिफिक तरीके से निपटान करने की मांग अब जोर पकड़ रही है।

बाढ़ की स्थिति फिर से आने का डर

हर साल, मानसून के दौरान वालधुनी नदी में आने वाली बाढ़ से उल्हासनगर और आसपास के इलाकों के लोगों को नुकसान होता है। इस साल, मानसून के करीब आने के साथ, इस बात की बहुत ज़्यादा संभावना है कि किनारे पर पड़ा सैकड़ों टन सड़ा हुआ कचरा बारिश के पानी के साथ बहकर वापस नदी में चला जाएगा। पर्यावरणविदों और स्थानीय लोगों ने डर जताया है कि अगर ऐसा हुआ, तो नदी का बहाव रुक सकता है और बाढ़ की स्थिति पैदा हो सकती है। प्रशासन के इस ढीले मैनेजमेंट की वजह से करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी नदी की हालत 'जैसी है वैसी ही' रहेगी।

शहाड में ऑफिसर पर जानलेवा हमला

- 'परिवार समेत जान से मारने' की धमकी
- चेंबूर से धमकी भरा कॉल
- एक्सटॉर्शन की जांच

उल्हासनगर. शहाड इलाके में एक चौंकाने वाली घटना हुई है, जहां अंबिवली में बालकृष्ण पेपर मिल में असिस्टेंट चीफ के तौर पर काम करने वाले 66 साल के सीनियर ऑफिसर प्रदीप रिंगासिया पर तीन हथियारबंद हमलावरों ने जानलेवा हमला किया। उनकी कार पर लोहे की रॉड से हमले के अगले ही दिन उन्हें चेंबूर से कॉल आया और उन्हें परिवार समेत जान से मारने की धमकी दी गई।

खड़कपाड़ा पुलिस ने केस दर्ज कर जांच तेज कर दी है।

मिली जानकारी के मुताबिक, प्रदीप रिंगासिया पिछले हफ्ते शाम को बालकृष्ण पेपर मिल से कार से घर जा रहे थे। उनके साथ कुक प्रकाश पुरोहित भी था। जैसे ही वह शहाड इलाके में हैप्पी होम सोसायटी के पास पहुंचे, अचानक तीन लोग कार के सामने आ गए। उनके हाथों में लोहे की रॉड थीं। हमलावरों ने कार का अगला हिस्सा और दरवाजों के शीशे तोड़ दिए। सावधानी बरतते हुए उन्होंने कार को तेज़ स्पीड से आगे बढ़ाया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद हमलावर भाग गए।

इस घटना के बाद अगली रात रिंगासिया के मोबाइल पर एक धमकी भरा कॉल आया। मैं चेंबूर से गणेश शिंदे बोल रहा हूं। शिकायत करने वाले ने आरोप लगाया है कि उसे धमकी दी गई कि अगर तुम दोबारा कंपनी में दिखे तो तुम्हें और बोईसर में रहने वाले तुम्हारे परिवार को जान से मार दूंगा।

पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि धमकी देने वाला संदिग्ध चेंबूर के गौतम नगर इलाके का मयूर उर्फ गणेश शिंदे है। इस मामले में खड़कपाड़ा पुलिस ने धमकी देने वाले संदिग्ध के साथ तीन अज्ञात हमलावरों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इससे इलाके के इंडस्ट्रियल एरिया में डर का माहौल है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास

संपादकीय

पंजाब में उभरी नई राजनीतिक दिशा

पंजाब में स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजों में जो तस्वीर उभरी है, वह आम आदमी पार्टी (आप) की स्पष्ट कामयाबी को दर्शाती है। अगर इसे जनता के रुख के तौर पर देखा जाए, तो यह अगले वर्ष राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों के नतीजों का भी संकेत हो सकती है। हालांकि राज्य में आम आदमी पार्टी की सरकार है और फिलहाल कोई बड़ा असंतोष वहां प्रत्यक्ष देखने में नहीं आ रहा है, इसलिए स्थानीय निकायों के नतीजों में अगर उसने शानदार प्रदर्शन करते हुए खुद को बाकी दलों के मुकाबले काफी मजबूत राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित किया है, तो यह अप्रत्याशित नहीं है।

दरअसल, पंजाब के शहरी क्षेत्रों में आप ने अपनी व्यापक पहुंच और मजबूत जनाधार बनाया है। अब इन चुनावों में पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया और आठ नगर निगमों में से पांच पर जीत हासिल की। कहा जा सकता है कि इन इलाकों में सरकार के कामकाज को ज्यादातर मतदाताओं ने अपना समर्थन दिया। वहीं कांग्रेस और भाजपा को भी जितनी सीटें मिलीं, उससे फिलहाल उनकी राजनीतिक जमीन बची होने के संकेत मिलते हैं। गौरतलब है कि पंजाब में नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पंचायतों सहित कुल 104 स्थानीय निकायों के 1,977 वार्डों के लिए हुए मतदान के नतीजों में आप के 958 उम्मीदवारों ने जीत हासिल की। वहीं 397 वार्डों पर जीत के साथ कांग्रेस की भी संतोषजनक उपस्थिति बनी रही। जबकि शिरोमणि अकाली दल ने 191 और भाजपा ने 172 वार्डों पर जीत हासिल की। जाहिर है, अपने प्रतिद्वंद्वी दलों के मुकाबले आप ने काफी बड़े अंतर से अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की है। पिछले स्थानीय निकाय चुनावों से तुलना करें, तो तस्वीर में बड़ा फेरबदल हुआ है और आप ने बड़ी उपलब्धि हासिल की। स्वाभाविक ही आम आदमी पार्टी इसे राज्य में अपनी सरकार के कामकाज और विकास कार्यों पर जनता की मुहर मान रही है। इसी के मद्देनजर पार्टी को लगता है कि अगले वर्ष विधानसभा चुनाव में उसके सामने कोई मजबूत चुनौती नहीं है। मगर यह देखने की बात होगी कि स्थानीय निकायों में उभरे नतीजों का असर विधानसभा चुनाव पर कितना पड़ता है। स्थानीय चुनाव अक्सर क्षेत्रीय मुद्दों और स्थानीय नेतृत्व से प्रभावित होते हैं, जबकि विधानसभा चुनाव में मतदाता राज्य सरकार के समग्र प्रदर्शन, राजनीतिक गठबंधनों और व्यापक जनहित के मुद्दों को भी ध्यान में रखते हैं। इसलिए निकाय चुनावों के नतीजों को विधानसभा चुनाव का अंतिम संकेत मानना जल्दबाजी होगी।

विमर्श

सार्थक संवाद की प्रतीक्षा में पश्चिम एशिया

राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से अरब और मुस्लिम-बहुल देशों से अब्राहम समझौते में शामिल होने की अपील को केवल अमेरिकी कूटनीतिक दबाव मानकर खारिज नहीं किया जाना चाहिए। यह अपील पश्चिम एशिया के सामने प्रश्न रखती है कि क्या देश मान्यता और संवाद की प्रक्रिया से बाहर रहकर अपने हितों की रक्षा बेहतर ढंग से कर सकते हैं या इस प्रक्रिया में शामिल होकर अधिक स्थिर क्षेत्रीय व्यवस्था बनाने में भूमिका निभा सकते हैं? प्रश्न यह नहीं है कि कोई अमेरिकी कूटनीति से सहमत है या नहीं। यह भी नहीं है कि अब्राहम समझौता अपने मौजूदा स्वरूप में पूर्ण है या नहीं। कोई भी शांति समझौता शुरुआत में पूर्ण नहीं होता। असली प्रश्न यह है कि संवाद से दूरी बनाकर क्या पश्चिम एशिया को बेहतर परिणाम मिले हैं? दशकों से इस क्षेत्र ने युद्ध, आर्थिक अस्थिरता, आम नागरिकों की पीड़ा और बढ़ते अविश्वास का अनुभव किया है। इसलिए एक अलग रास्ते पर विचार करना आवश्यक है।

अब्राहम समझौते की परिकल्पना इजरायल और अरब या मुस्लिम-बहुल देशों के बीच संबंध सामान्य करने के एक ढांचे के रूप में की गई थी। इसकी शुरुआत 2020 में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और बहरीन से हुई। बाद में मोरक्को और सूडान भी इससे जुड़ गए। इसका उद्देश्य कूटनीति, व्यापार, पर्यटन, सुरक्षा सहयोग, तकनीक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के रास्ते खोलना था। इस समझौते का नाम अब्राहम समझौता रखा जाना भी अर्थपूर्ण है। अब्राहम, जिन्हें यहूदी, ईसाई और इस्लामी

परंपराओं में एक महत्वपूर्ण पितृपुरुष माना गया है। यहूदी अपनी पवित्र वंश-परंपरा को अब्राहम से जोड़ते हैं, ईसाई उन्हें आस्था के पिता के रूप में देखते हैं और मुसलमान उन्हें एक ऐसे पैगंबर के रूप में मानते हैं, जिन्होंने मक्का में काबा का निर्माण किया और उनके वंश में अनेक पैगंबर आए। इसलिए यह नाम एक साझा आध्यात्मिक विरासत की ओर संकेत करता है।

अब्राहम समझौता राजनीतिक मतभेदों और क्षेत्रीय विवादों का तत्काल समाधान नहीं, बल्कि संवाद की शुरुआत है। यह याद दिलाता है कि यहूदियों, ईसाइयों और मुसलमानों के बीच बातचीत कोई कृत्रिम पश्चिमी विचार नहीं, बल्कि एक बहुत पुराने सभ्यतागत संबंध में निहित है। जो देश इस समझौते से जुड़े, उन्होंने भावुकता में ऐसा नहीं किया। उन्होंने यह महसूस किया कि पुरानी नीति किसी के लिए लाभकारी नहीं रही। लंबे समय तक कई देशों ने माना कि इजरायल से औपचारिक संबंध न रखना फलस्तीनी मुद्दे को मजबूत करेगा। यह दृष्टिकोण भावनात्मक रूप से प्रभावी लगता था, विशेषकर अरब और मुस्लिम समाजों में, लेकिन इसके व्यावहारिक परिणाम सीमित रहे। इजरायल को मान्यता न देने से न तो फलस्तीनी राष्ट्र का निर्माण हुआ और न ही बार-बार होने वाले युद्ध रुके। यही कठिन तथ्य है। कोई रुख नैतिक रूप से प्रभावशाली हो सकता है, लेकिन यह आवश्यक नहीं कि वह राजनीतिक रूप से भी प्रभावी हो।

निंदा कभी-कभी जरूरी हो सकती है, लेकिन केवल निंदा से प्रभाव या दबाव पैदा नहीं होता। जो देश परिणामों को प्रभावित करना चाहते हैं, उनके लिए दूरी की तुलना में सहभागिता अधिक उपयोगी हो सकती है। इसलिए अधिक व्यावहारिक रास्ता यह है कि अब्राहम समझौते से बाहर रहने के बजाय उसमें भागीदारी की जाए। इससे देश संवाद के मार्ग पर आगे बढ़ सकते हैं और क्षेत्र में शांति तथा स्थिरता की दिशा में ठोस पहल कर सकते हैं। यह उन देशों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जो मानते हैं कि इजरायल से संबंध सामान्य करने की प्रक्रिया एक विश्वसनीय फलस्तीनी समाधान से जुड़ी होनी चाहिए, लेकिन यह मांग संवाद से दूर रहने का कारण नहीं बननी चाहिए। यदि सभी अरब और मुस्लिम-बहुल देश इस प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करते हैं तो वे भविष्य की व्यापक क्षेत्रीय व्यवस्था को अधिक प्रभावी ढंग से आकार दे सकते हैं।

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने एक बार फिर दिखाया है कि पश्चिम एशिया की अस्थिरता की कीमत केवल युद्ध में शामिल देश ही नहीं चुकाते। उसका असर पूरे क्षेत्र और विश्व अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

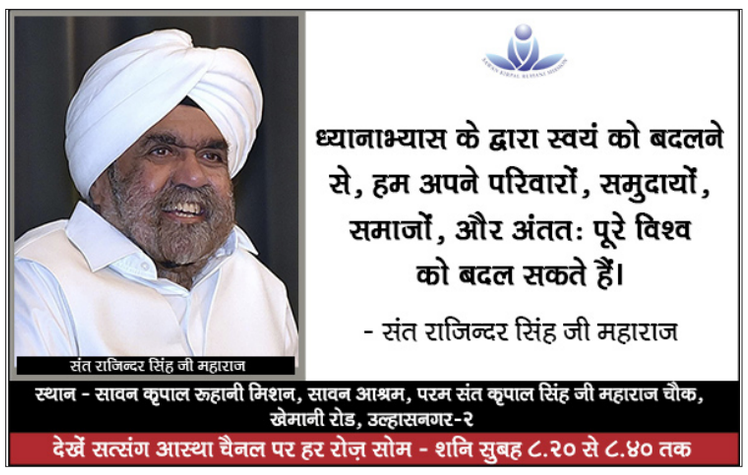

हर दिन महिलाओं पर दहेज का दबाव

कोई भी समाज तभी सभ्य और समग्र रूप से विकसित कहलाता है, जब उसमें ऊंच-नीच और किसी तरह के मतभेद की कोई दीवार नहीं होती तथा सबको उसके हिस्से का अधिकार मिलता है। मगर इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि आजादी के दशकों बाद भी भारतीय समाज में ऐसी कुप्रथाएं अपनी जड़ें जमाए हुए हैं, जहां पुरुषवादी मानसिकता के कारण महिलाओं को कमतर आंका जाता है और उन्हें शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है।

दहेज प्रथा भी इनमें से एक है, जिसके खिलाफ सख्त कानून होने के बावजूद उस पर रोक नहीं लग पा रही है। दहेज के लिए महिला का उत्पीड़न करने या उसकी हत्या कर देने की घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं। ऐसे ही एक मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि एक तरफ लड़की के परिवार से उपहार के नाम पर मोटी रकम ली जाती है और फिर उन्हें भिखारी भी कहा जाता है, यह स्थिति बेहद शर्मनाक है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट कहा कि समाज में यह संदेश जाना चाहिए कि दहेज के लिए बहू और उसके परिवार को प्रताड़ित करना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सवाल यह है कि जब देश में दहेज के खिलाफ कड़े कानूनी प्रावधान लागू

हैं, तो आखिर इस कुरीति पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? जाहिर है कि यह हमारे शासकीय तंत्र और सामाजिक व्यवस्था में खामियों का ही नतीजा है, जिसका खामियाजा महिलाओं और उनके परिवार को भुगतना पड़ रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के मुताबिक, देश में वर्ष 2017 में दहेज हत्या के 7,466 मामले दर्ज हुए थे, जबकि वर्ष 2024 के दौरान ऐसे 5,737 मामले दर्ज किए गए।

इसी तरह वर्ष 2023 में दहेज प्रताड़ना से जुड़े 15 हजार से अधिक मामले दर्ज हुए। एनसीआरबी के ही अनुसार, 2024 में दहेज हत्या के 5,737 मामले दर्ज किए गए। यानी वास्तविक स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि कई मामलों में महिलाएं मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना का सामना करती हैं, लेकिन सामाजिक दबाव, परिवार की बदनामी और जागरूकता के अभाव में वे पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं करा पातीं।

इसमें दोराय नहीं कि दहेज प्रथा को समाप्त करने के लिए कानूनी और सामाजिक मोर्चे दोनों पर गंभीरता से काम करने की जरूरत है। जब तक समाज की सोच में बदलाव नहीं आएगा और महिलाओं को व्यापक स्तर पर उनके अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं किया जाएगा, तब तक कानून बनाने का मकसद और उसका प्रभावी क्रियान्वयन भी अधूरा ही रहेगा। सर्वोच्च न्यायालय ने भी साफ कहा है कि आखिर लड़के शादी क्यों करते हैं, अगर बाद में लड़की और उसके परिवार का अपमान ही करना होता है।

दहेज के लिए मानसिक और आर्थिक दबाव डालना एक गंभीर अपराध है और ऐसे मामलों से सख्ती से निपटा जाना चाहिए। यह विचित्र बात है कि समाज में दहेज प्रताड़ना को सामान्य घटना मान लिया जाता है, जिस कारण कई बार पुलिस की ओर से भी पीड़ित पक्ष की शिकायत दर्ज करने के बजाय दोनों पक्षों में सुलह कराने को प्राथमिकता दी जाती है। ऐसे में जरूरत इस बात की भी है कि दहेज से जुड़े मामलों को हर स्तर पर गंभीरता से लिया जाए और सरकारी जांच तंत्र में व्याप्त खामियों को दुरुस्त कर उसे संवेदनशील एवं जवाबदेह बनाया जाए।

ये है दुनिया का सबसे महंगा तरबूज

जरा हट के

भारत में गर्मियों के मौसम में तरबूज हर सड़क किनारे 20 रुपये किलो के हिसाब से मिल जाता है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में ऐसा तरबूज भी है जिसकी कीमत 6 लाख रुपये प्रति पीस तक पहुंच जाती है?

जी हां, जापान का डेंसुके वॉटरमेलन दुनिया का सबसे महंगा तरबूज माना जाता है. इस तरबूज का छिलका चमकदार काला होता है, जो इसे बिल्कुल अनोखा बनाता है. अंदर का गूदा गहरा लाल, बेहद मीठा और क्रिस्पी होता है. यह तरबूज सिर्फ जापान के होक्काइडो द्वीप के तोहमा इलाके में उगाया जाता है. यहां की ज्वालामुखी मिट्टी, ठंडी जलवायु और खास खेती के तरीके इसकी दुर्लभता और स्वाद के पीछे का राज हैं.

सवाल ये उठता है कि आखिर ये तरबूज इतना महंगा क्यों है? असल में ये बेहद दुर्लभ है. पूरे जापान में बहुत कम जगहों पर इसे उगाया जाता

है. किसान हाथों से हर पौधे की देखभाल करते हैं, फलों को खास तरीके से ढककर रखते हैं. बात स्वाद की करें तो सामान्य तरबूज से ये कहीं ज्यादा मीठा और क्रिस्पी होता है. हर साल सीजन का पहला तरबूज नीलामी में रखा जाता है जहां अमीर लोग लाखों रुपये खर्च करते हैं और इस तरबूज को अपने घर ले जाते हैं. पहले प्रीमियम डेंसुके तरबूज की नीलामी में रिकॉर्ड 6,100 अमेरिकी डॉलर (लगभग 5-6 लाख रुपये) तक की बोली लग चुकी है. सामान्य अच्छे क्वालिटी वाले तरबूज भी 250-300 डॉलर (20-25 हजार रुपये) में बिकते हैं. जापान में यह तरबूज लग्जरी गिफ्ट के रूप में दिया जाता है. अमीर लोग, लग्जरी होटल और स्पेशल ओकेजन्स पर इसे खरीदते हैं. किसान हर पौधे पर सिर्फ कुछ चुनिंदा फल रखते हैं ताकि बाकी फलों को ज्यादा पोषण मिल सके. फलों को खास कागज या नेट से ढककर रखा जाता है ताकि उनका काला छिलका परफेक्ट बने. पूरी प्रक्रिया हाथ से की जाती है, मशीनों का कम इस्तेमाल होता है. यही वजह है कि उत्पादन बहुत कम होता है लेकिन क्वालिटी विश्व स्तरीय होती है. यह तरबूज ना सिर्फ महंगा है बल्कि पौष्टिक भी माना जाता है. इसमें विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर होते हैं. जापानी लोग इसे 'ब्लैक जेवेल' कहकर पुकारते हैं.

खाना-खजाना

ब्रोकली पराठा

अपने बेमिसाल फायदों के कारण आधुनिक खानपान की श्रेणी में ब्रोकली बहुत ही तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। वजन कम करने की डाइट फॉलो करने वाले हों या वीगन डाइट फॉलो करने वाले, सभी ब्रोकली को अपनी डाइट और प्लेट में शामिल जरूर करते हैं। ऐसे में आप इस बार इसका स्वादिष्ट पराठा बनाकर सभी को खिला सकते हैं।

सामग्री :

- गेहूं का आटा
- एक ब्रोकली
- 5-6 लहसुन की कली
- 2-3 हरी मिर्च
- 100 ग्राम पनीर
- स्वादानुसार नमक
- चिली फ्लेक्स
- ओरिगेनो
- बारीक कटी हरी धनिया
- काली मिर्च पाउडर

विधि :

सबसे पहले ब्रोकली के फूल को काट कर नमक वाले गर्म पानी में कुछ देर के लिए डालें।

इसके बाद मिक्सर जार में बारीक लहसुन और मिर्ची पीस लें। इसी जार में भीगे हुए ब्रोकली डालें और इसे दरदरा पीस लें। फिर एक कटोरे में लहसुन मिर्ची पेस्ट के साथ पिसा हुआ ब्रोकली निकालें और इसमें पनीर कद्दूकस कर लें।

इसके बाद नमक, चिली फ्लेक्स, ओरिगेनो या हर्ब्स मिलाएं और फिर इसमें चीज कद्दूकस करें। अब बारीक कटी हरी धनिया और हरी लहसुन की पत्तियां डालें। फिर इसमें काली मिर्च पाउडर डालें और अच्छे से मिक्स करें। अब तैयार मिक्स में आटा डाल कर गूंथें और गूंथे हुए आटे में से एक बड़ी लोई तोड़ें।

इस लोई से बड़ी सी रोटी बनाएं और फिर कटोरी से छोटी-छोटी पूड़ी के आकार के कट कर के ब्रोकली पराठे काटें। इसके बाद तवा पर इसे आधे चम्मच घी में सेकें। मसालेदार सब्जी या अचार से आनंद लें। दही के साथ भी ये बहुत ही जायकेदार लगेगा।

गर्मी के कारण बढ़ रहे हैं ड्राई आइज के मामले

देशभर में तेजी से बढ़ती गर्मी ने सेहत के लिए कई सारी चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। उच्च तापमान में अधिक समय तक रहने के कारण हीट स्ट्रोक का तो जोखिम रहता ही है साथ ही इसका शरीर के कई अंगों पर भी नकारात्मक असर देखा जा रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, गर्मी और लू के कारण होने वाली समस्याओं से बचाव करते रहना जरूरी है। गंभीर स्थितियों में ये कई अंगों को गंभीर क्षति पहुंचा सकती है साथ ही इसके जानलेवा दुष्प्रभावों का भी खतरा रहता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, उच्च तापमान के कारण आंखों से संबंधित समस्याओं के बढ़ने का खतरा देखा जाता रहा है। अधिक गर्मी और शुष्क हवाएं आपकी आंखों के लिए नुकसानदायक हैं। अस्पतालों में इन दिनों आंखों में लालिमा, दर्द, जलन और एलर्जिक कंजंक्टिवाइटिस के मामले भी बढ़े हैं। इतना ही नहीं उच्च तापमान आंखों में सूखेपन यानी ड्राई आइज की समस्या को भी बढ़ाने वाली हो सकती है, जिसको लेकर सभी लोगों को विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता है।

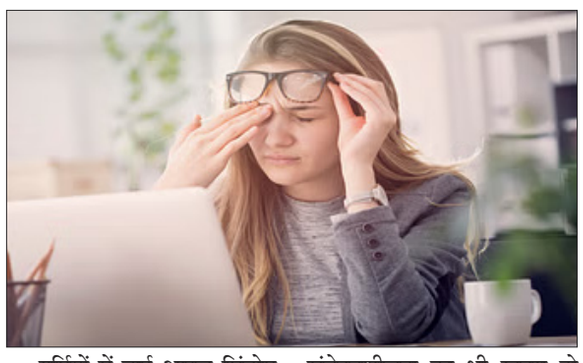

■ डॉक्टर से जानिए इस समस्या के लक्षण और बचाव के तरीके

■ बढ़ती गर्मी का आंखों पर असर

बढ़ती गर्मी आंखों के लिए कितनी खतरनाक है इस बारे में जानने के लिए हमने पुणे में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ प्रतिभा दीक्षित से संपर्क किया। डॉ प्रतिभा कहती हैं, गर्मियों में हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन की समस्या से बचाव करते रहना तो जरूरी है ही साथ ही आंखों की सेहत को लेकर भी सावधानी बरतनी चाहिए। गर्मियों के दौरान, न केवल त्वचा बल्कि आंखों को भी यूवी किरणों से बचाने की जरूरत होती है। थोड़ी सी असावधानी के कारण आंखों में लालिमा, खुजली, जलन जैसी दिक्कतें हो सकती हैं।

गर्मियों में ड्राई आइज सिंड्रोम के मामले भी अधिक देखे जाते रहे हैं।

■ कैसे करें ड्राई आइज की समस्या की पहचान?

ड्राई आइज के कारण आंखों में कई तरह की दिक्कतें होने लगती हैं। गर्मियों में धूप के कारण आपकी आंखों में चुभन, जलन या खुजली होने लगती है, इसके अलावा कुछ लोगों को प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता का भी खतरा हो सकता है। इसके अलावा कुछ अन्य लक्षणों पर गंभीरता से ध्यान देते रहना और समय पर इसका उपचार प्राप्त करना आवश्यक माना जाता है।

■ आंखों का लाल रहना

- आंखों में कुछ होने का एहसास।
- रात में गाड़ी चलाने में कठिनाई।
- आंखों से अक्सर पानी आना, आंखों में जलन बने रहना।
- धुंधला दिखाई देना या आंखों में अक्सर थकावट का एहसास होते रहना।

■ कैसे बचें?

नेत्र रोग विशेषज्ञ बताती हैं, गर्मी के कारण निर्जलीकरण होने का जोखिम रहता है जिससे आंसू का उत्पादन भी कम हो जाता है। इस तरह के जोखिमों से बचे रहने के लिए सुनिश्चित करें कि आप पूरे दिन खूब पानी पीते रहें। इसके अलावा एयर कंडीशनर के सीधे संपर्क में रहने से भी बचना जरूरी है। ये आपकी आंखों को सूखा बना सकती है। आहार को ठीक रखना, ओमेगा-3 फैटी एसिड, विटामिन्स से भरपूर चीजों का अधिक सेवन करना भी आंखों को स्वस्थ रखने और गर्मी के कारण होने वाले दुष्प्रभावों से बचाने में मददगार है।

आज का राशिफल

मेष : धन प्राप्ति में अवरोध दूर होंगे। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। अज्ञात भय सताएगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। कुसंगति से बचें। चिंता रहेगी।

वृषभ : आर्थिक उन्नति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। शुभ समय। शत्रु भय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी।

मिथुन : नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रमाद से बचें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में उन्नति होगी।

कर्क : आवश्यक निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान हो सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय में निश्चितता रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार की प्राप्ति संभव है। किसी के उकसाने में न आएं।

सिंह : कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश लाभदायक रहेगा। घर में सुख-शांति रहेगी। उत्साह बना रहेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। संतान की चिंता रहेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

कन्या : दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में सहकर्मियों का साथ रहेगा। थकान रहेगी। आय में वृद्धि होगी। कारोबार लाभप्रद रहेगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

तुला : अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। सभी ओर से सफलता मिलेगी। प्रेम-प्रसंग में आशातीत सफलता प्राप्त होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

वृश्चिक : दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। आय में निश्चितता रहेगी। राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था में मुश्किल होगी। दूसरों से अपेक्षा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। अनहोनी की आशंका रहेगी।

धनु : लाभ के अवसर हाथ आएंगे। अधिकार प्राप्ति के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। दूसरों के काम में दखल न दें। विवाद से बचें। लाभ होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। मानसिक बेचैनी रहेगी। वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर : व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। राज्य से प्रसन्नता रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। नई योजना बनेगी। नया उपक्रम प्रारंभ हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

कुंभ : सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। थकान व कमजोरी महसूस हो सकती है। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। आंखों को चोट व रोग से बचाएं।

मीन : आय में निश्चितता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। सोच-समझकर निर्णय लें। पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी। मातहतों से कहासुनी हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों से अपेक्षा न करें। बनते काम बिगड़ सकते हैं।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

गर्मी और लू से रखेगा कोसों दूर बेल का शरबत

■ सामग्री-

- बेल- 1
- गुड़ या चीनी- स्वादानुसार
- भुना हुआ जीरा पाउडर- 1 चम्मच
- काला नमक- स्वादानुसार
- नींबू का रस- 2 चम्मच
- पुदीना पत्ती- गार्निशिंग के लिए
- ठंडा पानी- आवश्यकतानुसार
- बर्फ के टुकड़े- आवश्यकतानुसार

■ बेल का शरबत बनाने की विधि-

पुदीना पत्ती को धोकर बहुत ही छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें और हाथ से मैश कर लें। बेल को दो टुकड़ों में तोड़कर चम्मच की मदद से सारा गूदा निकाल लें। गूदा को एक बड़े बर्तन में रखें। उसमें थोड़ा-सा पानी डालकर गूदा को हाथ से मैश करें ताकि बीज गूदे से अलग हो जाए। अब छन्ने की मदद से इस मिश्रण को छान लें ताकि बीज और सारे रेशे निकल जाएं। मिश्रण अगर गाढ़ा है तो उसमें थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पानी मिलाती जाएं। जब सारा गूदा छनकर निकल जाए तो बेल के शरबत में चीनी या गुड़, नीबू का रस, सभी मसाले और पुदीना पत्ती डालकर मिलाएं। पानी और बर्फ के टुकड़े बेल की शरबत में डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। मसाले एडजस्ट करें और सर्व करें।

महिलाओं के लिए वरदान से कम नहीं है

आलूबुखारा

गर्मियों में मिलने वाले रंग-बिरंगे फल, ना सिर्फ मुंह का स्वाद सुधारते हैं बल्कि सेहत के लिए भी वरदान माने जाते हैं। ऐसे ही एक फल को लोग आलूबुखारा के नाम से भी जानते हैं। स्वाद में खट्टा-मीठा और कई पौष्टिक गुणों से भरपूर आलूबुखारा अंग्रेजी में प्लम नाम से पहचाना जाता है। इसके नियमित सेवन से सेहत से जुड़ी उनकी कई समस्याएं दूर हो सकती हैं।

■ आलूबुखारा खाने के शानदार फायदे

■ इम्यूनिटी-

आलूबुखारे में मौजूद आयरन, पोटैशियम, विटामिन जैसे पौषक तत्व इम्यूनिटी बूस्ट करने में मदद करते हैं। मजबूत इम्यूनिटी शरीर को बदलते मौसम से जुड़े संक्रमणों और सेहत से जुड़ी कई तरह की समस्याओं से बचाने में मददगार होती है।

■ डायबिटीज

प्लम का नियमित सेवन ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल रखने में भी मदद करता है। बता दें, प्लम खासतौर पर क्लोरोजेनिक एसिड नामक पॉलीफेनोल में समृद्ध होते हैं, कॉफी में भी यह यौगिक पाया जाता है, यह ब्लड शुगर को संतुलित करने के साथ भूख को भी नियंत्रित करने में मदद करता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, आलूबुखारा में पाया जाने वाला निम्न ग्लाइसेमिक इंडेक्स ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है, जिससे टाइप 2 डायबिटीज का खतरा कम होता है।

■ मोटापा

आलूबुखारे में मौजूद कैलोरी की कम मात्रा वजन कम करने में मदद कर सकती है। वहीं, फाइबर से भरपूर होने की वजह से भी आलूबुखारा फल को वजन कम करने में फायदेमंद माना जाता है।

■ हड्डियों में मजबूती

आलूबुखारा बोन लॉस को ना सिर्फ रोकता है बल्कि धीरे-धीरे उसे रिवर्स भी करने में मदद करता है। ओक्लाहोमा स्टेट और फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटीज रिसर्च द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, जिन महिलाओं ने आलूबुखारा खाया और र

विटामिन-डी और कैल्शियम के सप्लीमेंट लिए, उन महिलाओं की तुलना में उनकी रीढ़ और अग्रभाग में हड्डियों के घनत्व में काफी सुधार हुआ, जिन्होंने सूखे प्लम का सेवन किया और समान सप्लीमेंट लिए। आलूबुखारा खाने से महिलाएं मेनोपॉज के बाद होने वाली ओस्टियोपोरेसिस की समस्या से भी बच सकती हैं।

■ हीमोग्लोबिन की कमी दूर करता है

भारत में ज्यादातर महिलाएं एनीमिया की शिकार होती हैं। एनीमिया शरीर में आयरन की कमी से होने वाला रोग है। लेकिन प्लम में आयरन की प्रचूर मात्रा मौजूद होती है। नियमित रूप से इसका सेवन करने से एनीमिया रोग के लक्षण जैसे थकान, कमजोरी, सिरदर्द, चक्कर आना में राहत मिलती है।

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

कस्टडी में मौत; चौकी इंचार्ज को जेल, पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर को भी 5 साल की सजा

वाराणसी. वाराणसी की अदालत ने पुलिस कस्टडी (हिरासत) में हुई मौत के 29 साल पुराने एक मामले में बेहद कड़ा और ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अदालत ने कानून का उल्लंघन करने वाले दो दारोगाओं के साथ-साथ पुलिसिया बर्बरता पर पर्दा डालने वाले पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर को भी दोषी करार देते हुए जेल भेज दिया है। अदालत ने तत्कालीन सुंदरपुर चौकी प्रभारी (इंचार्ज) को 10 साल के कठोर कारावास और थाने के तत्कालीन एएसआई को छह महीने की सजा सुनाई है। वहीं, खाकी के गुनाह को छुपाने के दोषी पाए गए डॉक्टर को पांच साल की सजा दी गई है। यह वारदात लंका थाना क्षेत्र की सुंदरपुर पुलिस चौकी में हुई थी। यह खौफनाक मामला 29 साल पुराना यानी साल 1997 का है। सुंदरपुर पुलिस ने एक स्थानीय युवक को महज 100 रुपये की चोरी की आशंका के चलते अवैध हिरासत में लिया था। आरोप है कि लॉकअप में पूछताछ के दौरान पुलिसकर्मियों ने युवक की इस कदर बेरहमी से लाठी-डंडों से पिटाई की कि उसने कस्टडी में ही दम तोड़ दिया। अपनी खाल बचाने के लिए पुलिस ने आनन-फानन में मृतक के खिलाफ 100 रुपये की चोरी का मुकदमा दर्ज दिखाया और परिजनों को बिना सूचना दिए, रात के अंधेरे में ही गुपचुप तरीके से शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार करने का प्रयास किया था।

यूपी में दलित किशोरी को बाल पकड़कर गांव में घुमाया, फिर पेड़ से बांधकर पीटा

देवरिया. यूपी के देवरिया जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां तरकुलवा थाना क्षेत्र के मिश्रौली गांव में चोरी के आरोप में एक दलित किशोरी को पेड़ से बांधकर बेरहमी से पीटा गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। मिश्रौली गांव के रहने वाले राम ईश्वर के बेटे हरिकेश गुप्ता में किराने की दुकान चलाते हैं। आरोप है कि उन्होंने गांव की एक दलित किशोरी पर दुकान से चोरी करने का आरोप लगाया। रविवार को किशोरी को पकड़ने के बाद आरोपी ने पहले उसके बाल पकड़कर पूरे गांव में घुमाया इसके बाद भी मन नहीं भरा तो उसे अपने दरवाजे पर स्थित नीम के पेड़ से बांध दिया और उसकी पिटाई की।

फांसी पर लटका मिला नवविवाहिता का शव, पति मांग रहा था स्कार्पियो

लखनऊ. लखनऊ में एक नवविवाहिता की लाश घर के अंदर ही फांसी के फंदे से लटकी मिली है। विवाहिता का पति सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर है और उसके सात लाख से ज्यादा फालोअर हैं। नवविवाहिता भी सोशल मीडिया पर एक्टिव थी। मायके वालों ने इन्फ्लुएंसर पति और ससुरालियों पर हत्या कर शव लटकाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि दहेज में स्कार्पियो गाड़ी मांगी जा रही थी। नहीं देने पर प्रताड़ित किया जा रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ ही विवाहिता के चाचा की शिकायत पर पति, ससुर समेत छह लोगों पर दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज की है। पति को हिरासत में ले लिया है। बताया जाता है कि कानपुर नगर के बगाही निवासी मनोज वर्मा की बेटी मानसी (23) की शादी 9 दिसंबर 2024 को सआदतगंज झब्बारन काला फाटक निवासी सागर राजपूत से हुई थी। दोनों को एक छह माह का बेटा भी है। विवाहिता के चाचा सुनील वर्मा ने बताया कि शादी के वक्त सात लाख रुपये नगद और अन्य सामान दिया गया था। इसके बावजूद ससुराल के लोग स्कार्पियो गाड़ी की मांग कर रहे थे।

प.बंगाल में कैबिनेट विस्तार 35 मंत्रियों ने शपथ ली

अर्जुन सिंह, तपस रॉय मंत्री बने; शुभेंदु मंत्रिमंडल में अब 41 मिनिस्टर

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में सोमवार को सरकार का पहला मंत्रिमंडल विस्तार हुआ। लोकभवन में हुए कार्यक्रम में राज्यपाल आरएन रवि ने 35 नए मंत्रियों को शपथ दिलाई। सीएम शुभेंदु अधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। 13 नेताओं को कैबिनेट मंत्री, 3 को राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और 19 को राज्य मंत्री बनाया गया। इस विस्तार के साथ बंगाल में मंत्रिपरिषद की मंत्रियों की संख्या 41 हो गई है।

इससे पहले 9 मई को शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उनके साथ दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, निशीथ प्रमाणिक, अशोक कीर्तनिया और क्षुदीराम टुडू ने भी मंत्री पद की शपथ ली थी।

संविधान के 91वें संशोधन के अनुसार, राज्य मंत्रिमंडल में विधायकों की संख्या विधानसभा की कुल संख्या के 15% तक सीमित है। पश्चिम बंगाल में 294 विधायक हैं, इसलिए मंत्रिमंडल में अधिकतम 44 मंत्री हो सकते हैं।

सोमवार के शपथ ग्रहण के बाद कैबिनेट में 41 मंत्री हो गए हैं। तय सीमा के आधार पर 3 मंत्री और बनाए जा सकते हैं। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि फिलहाल यह 3 पद खाली ही रहेंगे।

CM शुभेंदु ने गृह और वित्त विभाग अपने पास रखा

इससे पहले 11 मई को CM शुभेंदु ने अपने मंत्रियों को विभागों का बंटवारा कियाा था। इसमें निशिथ प्रमाणिक को उत्तर बंगाल विकास, खेल और युवा कल्याण मंत्रालय सौंपा गया।
दिलीप घोष को ग्रामीण विकास, पशु संसाधन विकास, कृषि विपणन की जिम्मेदारी सौंपी गई। अग्निमित्रा पॉल को महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण, नगर निकाय विभाग दिए गए।
अशोक कीर्तनिया को खाद्य एवं आपूर्ति, सहकारिता विभाग दिया गया।
क्षुदीराम टूडू को जनजातीय विकास, पिछड़ा वर्ग कल्याण, अल्पसंख्यक मामले और मदरसा शिक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई। सीएम शुभेंदु अधिकारी ने गृह मंत्रालय समेत अन्य सभी मंत्रालय अपने पास रखे हैं।

बंगाल के चीफ सेक्रेटरी बने मनोज कुमार अग्रवाल

पश्चिम बंगाल सरकार ने IAS अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल को राज्य का नया चीफ सेक्रेटरी नियुक्त किया है। यह आदेश 11 मई 2026 को जारी हुआ और अगले आदेश तक लागू रहेगा। अग्रवाल फिलहाल चीफ इलेक्टोरल ऑफिसर और होम एंड हिल अफेयर्स विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव हैं। सरकार ने कहा कि यह फैसला सार्वजनिक सेवा के हित में लिया गया है। उन्हें तुरंत नया कार्यभार संभालने के निर्देश दिए गए हैं।

उलटा पड़ा नेपाली PM बालेन शाह का दांव?

- अब अपने ही देश में घिरे
- भारत पर ऐसा क्या दावा किया कि मचा बवाल

काठमांडू. पड़ोसी देश नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने भारतीय क्षेत्र पर कब्जे से जुड़े कुछ ऐसे दावे किए हैं कि उससे उनके ही देश में राजनीतिक तूफान उठ खड़ा हुआ है। इस साल दक्षिण एशियाई देश के सबसे कम उम्र यानी 35 साल में प्रधानमंत्री बनने वाले बालेन शाह ने दावा किया है कि उनके देश यानी नेपाल ने भी भारतीय क्षेत्र पर कब्जा किया है, जबकि काठमांडू लगातार भारत पर कब्जे का आरोप लगाता रहा है। शाह ने यह दावा नेपाली संसद में अपने पहले संबोधन के दौरान किया। अब उनके इस बयान और दावे पर नेपाल में राजनीतिक भूचाल आ गया है। सीमा विशेषज्ञों और विपक्षी दलों के बीच भी शाह के इस बयान पर भारी नाराजगी है।

बालेन शाह ने अपने संबोधन में माना कि लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी क्षेत्रों से जुड़ा सीमा विवाद दोनों देशों के संबंधों में एक संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को सुलझाने के लिए दोनों देशों को इतिहासकारों, सर्वेक्षकों और विशेषज्ञों की मदद लेनी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि काठमांडू ने इस मामले को चीन और यूनाइटेड किंगडम के सामने भी उठाया है।

शाह ने क्या कहा था?

प्रधानमंत्री बनने के बाद पहली बार संसद को संबोधित करते हुए बालेन शाह ने कहा, 'आप एक तथ्य जानकर हैरान होंगे जो मुझे प्रधानमंत्री बनने के बाद हाल ही में पता चला है। भारत ने न केवल नेपाली क्षेत्र पर अतिक्रमण किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई जगहों पर भारतीय क्षेत्र पर कब्जा किया है।' उन्होंने आगे कहा कि अब दोनों देशों को तथ्यों का अध्ययन करना चाहिए और दोस्तों की तरह बैठकर इस मुद्दे को सुलझाना चाहिए।

परिसीमन बिल की नई तैयारी में मोदी सरकार

- ONOE पर बना बड़ा प्लान

नई दिल्ली. ONOE यानी एक देश एक चुनाव और परिसीमन विधेयक जल्द ही एक बार फिर संसद में पेश किया जा सकता है। खबर है कि पहली बार परिसीमन बिल पर चोट के बाद भारतीय जनता पार्टी अब बड़ी प्लानिंग कर रही है। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है। खास बात है कि यह घटनाक्रम ऐसे समय पर हो रहा है, जब पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और तमिलनाडु में द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम जैसे बड़े क्षेत्रीय दलों को चुनावी हार का सामना करना पड़ा है।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि सरकार 2029 लोकसभा चुनाव से पहले एक देश एक चुनाव बिल पेश कर सकती है। खास बात है कि अप्रैल में संविधान संशोधन बिल फेल होने के बाद अब भाजपा नए सिरे से तैयारी कर रही है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि केंद्रीय गृहमंत्रालय नया परिसीमन बिल तैयार कर रहा है।

जब संसद में लोकसभा की सीटों की सीमाएं दोबारा तय करने वाला परिसीमन बिल लाया गया, तो कांग्रेस, डीएमके और टीएमसी जैसी सभी विपक्षी पार्टियों INDIA गठबंधन के 230 सांसदों ने एकजुट होकर इसका विरोध किया।

विपक्ष का मुख्य ऐतराज इस बात पर था कि सरकार ने महिलाओं को आरक्षण देने वाले कानून को लोकसभा की सीटें बढ़ाने के विवादित मुद्दे से जोड़ दिया है। साथ ही, विपक्ष को यह बड़ा डर भी था कि आबादी के हिसाब से सीटें तय होने पर उत्तर भारत की तुलना में दक्षिण भारत के राज्यों की सीटें कम हो जाएंगी।

क्षेत्रीय दल निभाएंगे बड़ी भूमिका

रिपोर्ट के मुताबिक, भाजपा की ये कोशिशें हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव के बाद तेज हुईं हैं। सूत्रों ने अखबार को बताया कि तमिलनाडु में हार और कांग्रेस के साथ छोड़ने के बाद DMK यानी द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम 'कुछ मुद्दों' पर भाजपा के साथ बातचीत के लिए तैयार है। कहा यह भी जा रहा है कि भाजपा की नजरें टीएमसी में जारी गतिविधियों पर भी हैं। ये अटकलें ऐसे समय पर सामने आईं हैं, जब बंगाल चुनाव में हार के बाद टीएमसी नेताओं में जमकर मतभेद की खबरें सामने आ रही हैं। वहीं, पार्षद स्तर के नेता इस्तीफा सौंप रहे हैं। संघवाद प्रतिदिन की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया था कि कुछ सांसद टीएमसी छोड़कर भाजपा में जा सकते हैं।

ISI की बेहद खतरनाक साजिश

आतंकियों को भारत की पॉलिटिक्स में आने का मिला टास्क

नई दिल्ली. भारत में अशांति फैलाने के मकसद से पाकिस्तान की तरफ से फिर नापाक कोशिशें की जा रही हैं। खबर हैं कि खुफिया एजेंसी आईएसआई ने अपने स्थापित ओवर ग्राउंड वर्कर्स (OGW) नेटवर्क को मुख्यधारा की राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टियों में घुसपैठ करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ऐसा इसलिए किया जा रहा है, ताकि सुरक्षा एजेंसियों की कार्रवाई और आतंकी घटनाओं की जांच से बचा जा सके।

- फिर आतंकवाद बढ़ाने की कोशिश

उन्होंने बताया कि आईएसआई अपनी रणनीति को फिर से व्यवस्थित करने की कोशिश कर रही है और 1990 के दशक की शुरुआत में स्थापित आतंकी संगठनों को सक्रिय करने के लिए प्रयास कर रही है ताकि आतंकवादी हिंसा को 'स्थानीय स्वरूप' दिया जा सके और उसमें पाकिस्तान की प्रत्यक्ष भूमिका को छिपाया जा सके। यह तरीका ऐसे समय आजमाया जा रहा है जब पाकिस्तान पर धन शोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए वैश्विक संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (FATF) की लगातार निगरानी बनी हुई है।

- राजनीतिक दलों से जुड़े थे

केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों के अनुसार, श्रीनगर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आतंकी समर्थकों से हुई पूछताछ में पता चला है कि उनमें से कुछ मुख्यधारा की राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टियों से जुड़े हुए थे। अधिकारियों के अनुसार, आतंकी संगठनों को महत्वपूर्ण रसद सहायता, भर्ती और वित्तीय मदद उपलब्ध कराने वाले आतंक समर्थकों को वैध राजनीतिक ढांचे में घुसपैठ कराकर आईएसआई अपने नेटवर्क और सहयोगियों को सुरक्षा बलों के जारी अभियानों से बचाने की कोशिश कर रही है।

प्रेमी को ग्राइंडर से बेरहमी से काटा

हमीरपुर. उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में फिल्मी पटकथा की तरह रची गई एक खूनी साजिश का पुलिस ने ऐसा खुलासा किया है, जिसने सबको चौंका दिया। फतेहपुर जिले के बकेवर से लापता हुए 30 वर्षीय युवक विजय निषाद की शादीशुदा महिला से लव अफेयर के चलते बेरहमी से हत्या कर दी गई। कातिल दंपती ने दृश्यम फिल्म की तर्ज पर लाश को ठिकाने लगाने की कोशिश की। शातिर पति-पत्नी, पुलिस की आंखों में धूल झोंक ही देते, लेकिन उनके अपने ही मोबाइल ने सारा खेल बिगाड़ दिया। मर्डर करने के बाद कानूनी कार्रवाई, फांसी के कानून और पुलिस एनकाउंटर से बचने के लिए दंपती, यूट्यूब पर जो बचाव के रास्ते खोज रहे थे, उसकी डिजिटल सर्च हिस्ट्री ने पुलिस के सामने उनके सारे गुनाह कबूल करवा दिए।

मर्जी से वेश्यावृत्ति अपराध नहीं

- सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस को दी नसीहत; कानून भी बताया

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस को हिदायत देते हुए कहा है कि अगर कोई भी बालिग अपनी इच्छा से सेक्स वर्क करती है तो इसे अपराध के दायरे में नहीं रखा जा सकता। कोर्ट ने कहा कि ऐसी महिलाओं को गिरफ्तार करने और उन्हें प्रताड़ित करने की जरूरत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कमर्शियल सेक्स के लिए मानव तस्करी की जाती है और किसी को धोखे से या फिर मजबूर करके सेक्स करवाया जाता है तो ऐसे केस में इमोरल ट्रैफिक ऐक्ट (ITPA) लागू होता है।

- मर्जी से सेक्स वर्क अपराध नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने साफ कह दिया है कि अपनी मर्जी से सेक्स वर्क करना गैरकानूनी नहीं है। वहीं वेश्यालय या कोठे चलाना गैरकानूनी है। बता दें कि इमोरल ट्रैफिक प्रिवेंशन ऐक्ट 1956 में बनाया गया था। इसके तहत कई धाराएं हैं और कोठे और वेश्यालय चलाने का अपराध बताया गया है। इस ऐक्ट की धारा 3 में कहा गया है कि अगर कोई व्यक्ति देह व्यापार के लिए अपनी जगह को किराए पर देता है या फिर उपयोग की अनुमति देता है तो उसे 1 से 3 साल तक की कैद और जुर्माना हो सकता है।

जस्टिस एल नागेश्वर राव और जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस एएस बोपन्ना की बेंच ने बुद्धदेव कर्माकर बनाम बंगाल सरकार के मामले में भी बड़ा फैसला सुनाया था। यह मामला सेक्स वर्करों के पुनर्वास और अधिकारों को लेकर था। कोर्ट ने कहा था कि जिस तरह से संविधान के अनुच्छेद 21 में हर व्यक्ति को जीवन जीने का अधिकार मिला है उसी तरह सेक्स वर्कर भी भारत के नागरिक हैं और उन्हें कानूनी सुरक्षा मिलनी चाहिए।

- ITPA में क्या है

इसकी धारा 4 में कहा गया है कि अगर कोई व्यक्ति सेक्स वर्कर की कमाई का इस्तेमाल करता है तो यह अपराध है। यह धारा सेक्स वर्कर के परिवार के लोगों पर भी लागू होती है। धारा 5 में कहा गया है कि जबरदस्ती, बहलाकर या फिर मजबूर करके किसी को देह व्यापार के लिए मजबूर करना भी अपराध है। धारा 7 में कहा गया है कि सार्वजनिक स्थान या किसी धार्मिक स्थान के 200 मीटर के दायरे में सेक्स वर्क करना अपराध है। हालांकि इस कानून में कहीं भी सहमतिसे सेक्स का जिक्र नहीं किया गया है।

बेंगलुरु लगातार दूसरी बार IPL चैंपियन

- गुजरात को 5 विकेट से हराया
- कोहली ने छक्का लगाकर जीत दिलाई
- रसिख को 3 विकेट

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने लगातार दूसरी बार IPL जीत लिया है। उसने रविवार को फाइनल में गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हराया। विराट कोहली ने 18वें ओवर की आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। कोहली 75 रन पर नाबाद लौटे। विराट को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

बेंगलुरु ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। गुजरात ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 155 रन बनाए। 156 रन का टारगेट बेंगलुरु ने 18 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

बेंगलुरु ने 2025 में इसी मैदान पर पंजाब किंग्स को हराकर खिताब जीता था। वह लगातार दो IPL ट्रॉफी जीतने वाली तीसरी टीम बन गई है। चेन्नई सुपरकिंग्स और मुंबई इंडियंस भी ऐसा कर चुकी हैं।

कोहली-वेंकटेश के बीच 62 रन की पार्टनरशिप

156 रन के टारगेट का पीछा करते हुए RCB को वेंकटेश अय्यर और विराट कोहली ने तेज शुरुआत दिलाई। अय्यर ने 16 गेंदों में 32 रन बनाए, जबकि कोहली ने शुरुआत से ही पारी को संभाले रखा। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 27 बॉल में 62 रन की साझेदारी हुई। देवदत्त पडिक्कल (1), रजत पाटीदार (15) और क्रुणाल पंड्या (1) जल्दी आउट हुए, लेकिन कोहली ने दूसरे छोर से रन बनाना जारी रखा।

टिम डेविड ने 17 गेंदों में 24 रन की पारी खेलकर कोहली का साथ दिया। अंत में जितेश शर्मा (11*) के साथ कोहली ने टीम को जीत तक पहुंचाया। कोहली 42 गेंदों में 75 रन बनाकर नाबाद रहे।

सूर्यवंशी को ऑरेंज कैप मिला

वैभव सूर्यवंशी को ऑरेंज कैप मिला। उन्होंने 16 मैचों में 776 रन बनाए हैं, जो इस सीजन किसी भी बल्लेबाज के सबसे ज्यादा रन हैं। सूर्यवंशी के बाद गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल (732 रन) और साई सुदर्शन (722 रन) हैं। दोनों बैटर आउट हो चुके हैं।

सुंदर का अर्धशतक, रसिख को 3 विकेट

गुजरात टाइटंस की शुरुआत खराब रही और टीम ने 55 रन तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे। कप्तान शुभमन गिल (10), साई सुदर्शन (12) और निशांत सिंधु (20) जल्दी आउट हो गए। इसके बाद जोस बटलर (19) भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। हालांकि, वॉशिंगटन सुंदर ने एक छोर संभालते हुए 37 गेंदों में नाबाद 50 रन बनाए। अरशद खान (15) व जेसन होल्डर (7) के साथ छोटी-छोटी साझेदारियां कर टीम को 20 ओवर में 155/8 तक पहुंचाया।

जब तक CM नहीं बन जाता तब तक क्लीन शेव नहीं रखूंगा

- 7 साल पहले डीके शिवकुमार ने खाई थी कसम

बेंगलूरु. डीके शिवकुमार कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। सिद्धारमैया के इस्तीफा देने के बाद तीन जून को शिवकुमार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। इस शपथ ग्रहण समारोह से पहले एक सात साल पुरानी बात की चर्चा शुरू हो गई है। दरअसल, 2019 में डीके शिवकुमार ने कसम खाई थी कि जब तक वह कर्नाटक के मुख्यमंत्री नहीं बन जाते, तब तक वह दाढ़ी वाले लुक में दिखेंगे और क्लीन शेव नहीं करवाएंगे। अब सवाल उठने लगे हैं कि क्या शिवकुमार तीन जून को या उसके बाद क्लीन शेव लुक में नजर आएंगे?

एक रिपोर्ट के अनुसार, डीके शिवकुमार साल 2019 से पहले क्लीन शेव लुक में नजर आते थे। सितंबर में ईडी ने उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में अरेस्ट किया था। इसके बाद वह तिहाड़ जेल में 50 दिन तक बंद रहे थे। शिवकुमार से मिलने तब सोनिया गांधी भी पहुंची थीं। जब वह जेल में बंद थे, तब उन्होंने खुद से एक कसम खाई। उन्होंने तय किया कि जब तक वह सीएम नहीं बन जाते, तब तक क्लीन शेव नहीं रखेंगे।

तिहाड़ में तकरीबन 50 दिनों तक रहने के बाद उनका लुक पूरी तरह से बदल गया। जहां वह पहले क्लीन शेव में दिखते थे, अब उनके चेहरे पर दाढ़ी दिखने लगी। इसके बाद 2022 में उन्होंने एक पत्रकार के सवाल पर जवाब दिया था कि तिहाड़ जेल में रखना शुरू किया था। अब इसे क्लीन शेव तभी करूंगा जब सीएम बन जाऊंगा।

शिवकुमार होंगे देश के सबसे अमीर मुख्यमंत्री

डी.के. शिवकुमार तीन जून को कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। इस पदभार को संभालने के साथ ही वह भारत के सबसे अमीर मुख्यमंत्री भी बन जाएंगे। साल 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव आयोग को दिए गए हलफनामे के अनुसार, शिवकुमार ने 1,413 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की थी। इस आंकड़े के साथ उन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडु को पीछे छोड़ दिया है, जिनकी घोषित संपत्ति करीब 931 करोड़ रुपये है। शिवकुमार की इस विशाल संपत्ति में 14 करोड़ रुपये से अधिक के बैंक डिपॉजिट, लगभग 1,140 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और करीब 273 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति शामिल है। देश के सबसे अमीर मुख्यमंत्रियों की इस सूची में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय लगभग 648 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

भाई-भाई के झगड़े का खूनी अंत

कन्नौज. उत्तर प्रदेश के कन्नौज में भाई-भाई के झगड़े का खूनी अंत देखने को मिला है। कन्नौज के इंदरगढ़ क्षेत्र के सहियापुर गांव में इस घटना के बाद से मातम पसरा हुआ है। सोमवार को जमीन के झगड़े के चलते दोनों भाईयों में बवाल शुरू हो गया। इस दौरान छोटे भाई ने अपने बड़े भाई को कुल्हाड़ी से हमला कर मौत के घाट उतार दिया। इस सनसनीखेज वारदात को अंजाम देने के बाद छोटे भाई ने अपनी जान लेने का भी फैसला कर लिया। उसने गांव के बाहर पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

लड़की को बचाने नदी में कूदे 5 लोग, सबकी मौत

- नाबालिग बच गई

कुरनूल. आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में तुंगभद्रा नदी में नाबालिग लड़की को बचाने के प्रयास में 5 लोगों की मौत हो गई। शनिवार शाम करीब 4:30 बजे यह घटना घटी जब लड़की नदी किनारे अपने पैर धो रही थी। अचानक तेज धारा में फिसलकर वह नदी में बहने लगी। आसपास मौजूद लोग तुरंत उसकी मदद के लिए नदी में कूद पड़े। लेकिन दुर्भाग्यवश पांच लोग खुद ही तेज बहाव में फंस गए और उनकी जान चली गई, जबकि लड़की को किसी तरह बचा लिया गया।

इस घटना ने पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ दी है। स्थानीय लोगों में दुख और आक्रोश का माहौल है। घटना की जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारी ने बताया कि नाबालिग लड़की पड़ोसी गांवों में से एक की रहने वाली थी। वह परिवार के साथ नदी किनारे आई थी। तुंगभद्रा नदी इस मौसम में तेज बहाव वाली रहती है, जिसके कारण छोटी-छोटी लापरवाही भी जानलेवा साबित हो सकती है।

पुलिस के अनुसार, पांच लोगों ने बिना सोचे-समझे लड़की की जान बचाने के लिए नदी में छलांग लगा दी। सभी मृतक आसपास के गांवों के निवासी थे और वे एक-दूसरे को जानते थे। मौत की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी। राज्य आपदा प्रबंधन बल (SDRF) की टीमों को भी बुलाया गया है। SDRF की डाइविंग टीम लगातार नदी में तलाश अभियान चला रही है ताकि पांचों शवों को जल्द से जल्द बाहर निकाला जा सके। नदी का बहाव तेज होने के कारण शवों को खोजने में दिक्कत आ रही है।

ईरान ने ही US संग शांति वार्ता पर लगाया ब्रेक

ईरान ने लेबनान पर इजरायल के सैन्य हमलों का विरोध करते हुए अमेरिका के साथ चल रही अप्रत्यक्ष वार्ता को तत्काल प्रभाव से रोक दिया है। अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम के मुताबिक, इजरायली हमलों के जारी रहने और युद्धविराम की पूर्व शर्तों के उल्लंघन के चलते ईरानी वार्ता टीम ने मध्यस्थों के माध्यम से होने वाली सभी बातचीत और संदेशों का आदान-प्रदान रोक दिया है। ईरान ने स्पष्ट रूप से मांग की है कि गाजा और लेबनान में इजरायल के युद्ध तुरंत समाप्त किए जाएं तथा लेबनान से इजरायली सैनिकों की पूर्ण वापसी हो।

एजेंसी ने बताया कि जब तक ईरान और क्षेत्रीय प्रतिरोधी गुट इन मुद्दों पर संतुष्ट नहीं हो जाते, तब तक कोई भी वार्ता संभव नहीं है। तसनीम के अनुसार, तेहरान और उसके सहयोगी समूहों ने अब अपने एजेंडे में होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह बंद करने तथा लाल सागर के दक्षिणी छोर पर स्थित बाब अल-मंडेब समेत अन्य मोर्चों को सक्रिय करने के विकल्प भी शामिल कर लिए हैं।

उल्हास विकास
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संक्षेप...

वेश्यावृत्ति संचालित करने के मामले में तीन महिलाएं बरी

ठाणे. ठाणे की एक विशेष अदालत ने वेश्यावृत्ति के लिए लड़कियों की तस्करी करने के मामले में तीन आरोपी महिलाओं को बरी कर दिया, क्योंकि अभियोजन पक्ष मामले के मुख्य छद्म ग्राहक और नाबालिगों की गवाही दिलाने में विफल रहा।

विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) एस. पी. अग्रवाल ने शर्मिनबानू उर्फ जीनत यूनुस सिद्दीकी, रिजवाना जावेद खान और अफसाना उर्फ मुस्कान अनीस शेख को 29 मई के अपने आदेश में बरी कर दिया। उन पर भारतीय दंड संहिता, अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत आरोप लगाये गए थे। अभियोजन पक्ष का आरोप था कि पुलिस ने ठाणे के पास मुंब्रा स्थित एक फ्लैट से संचालित वेश्यावृत्ति गिरोह का पर्दाफाश उस वक्त किया जब एक छद्म ग्राहक को मौके पर भेजा गया।

विधान परिषद चुनाव का बजा बिगुल

महायुति में सीटों का पेंच सुलझा

पुणे, कोंकण NCP को, ठाणे, नासिक शिवसेना को; सोलापुर समेत 11 सीटें BJP को

■ विधान परिषद के लिए महायुति का फाइनल सीट बंटवारा तय

मुंबई. विधान परिषद चुनाव के लिए महायुति का फाइनल सीट बंटवारा आखिरकार तय हो गया है। सीटों के लिए बड़ी खींचतान और दावों-प्रतिदावों के बाद, तीनों पार्टियों के बीच 17 सीटों पर आम सहमति बन गई है।

फाइनल फॉर्मूले के मुताबिक, BJP 11 सीटों पर, शिवसेना 4 पर और NCP 2 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। राज्य और केंद्र में नेताओं के बीच बातचीत के बाद सीटें फाइनल हो गई हैं। NCP एक एक्स्ट्रा सीट जीतने में कामयाब रही। जबकि 7 सीटों पर अटकी शिवसेना को 4 सीटों से ही संतोष करना पड़ेगा।

विधान परिषद चुनाव का पूरा शेड्यूल

एप्लीकेशन फाइल करने की आखिरी तारीख- 1 जून
उम्मीदवारों की स्क्रूटनी- 2 जून
एप्लीकेशन वापस लेने की तारीख- 4 जून
पोलिंग- 18 जून
वोटों की गिनती- 22 जून

BJP -11, शिवसेना - 4, NCP - 2

भारतीय जनता पार्टी
1) सोलापुर-
2) जलगांव-
3) भंडारा-गोंदिया
4) वर्धा-चंद्रपुर-गढ़चिरौली
5) अमरावती-
6) धाराशिव-लातूर-बीड
7) नागपुर-
8) चौ. संभाजीनगर- जालना
9) अहिल्यानगर-
10) सांगली-सतारा
11) नांदेड़-

शिवसेना-
1) ठाणे-
2) नासिक-
3) परभणी-
4) यवतमाल-

NCP-
1) कोंकण-
2) पुणे-

■ 17 विधान परिषद सीटों के लिए चुनाव

ऐसा इसलिए है क्योंकि राज्य में लोकल बॉडी चुनाव नहीं हुए थे। चुनाव क्षेत्र में पहले चुने गए MLAs का कार्यकाल खत्म होने के बाद भी चुनाव नहीं हो पाए थे। ऐसे में MLA सीटें पिछले ढाई साल से खाली हैं। अगर लोकल बॉडी चुनाव क्षेत्र में वोटर्स की संख्या 75 परसेंट है, तो लेजिस्लेटिव काउंसिल के चुनाव हो सकते हैं। लेजिस्लेटिव काउंसिल के कुल 78 सदस्यों में से 22 सदस्य लोकल बॉडीज़ द्वारा चुने जाते हैं। सोलापुर, अहमदनगर, ठाणे, जलगांव, नांदेड़, सांगली-सतारा, यवतमाल, पुणे, भंडारा-गोंदिया, नासिक, अमरावती के लोकल बॉडीज़ की लेजिस्लेटिव काउंसिल की सीटों के लिए चुनाव होंगे।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने पिंपलेश्वर मंदिर में की पूजा

कल्याण. डोंबिवली क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। डोंबिवली स्थित श्री पिंपलेश्वर महादेव मंदिर की भूमि को लेकर पिछले कई वर्षों से चल रहा संघर्ष आखिरकार सफल हो गया है। इस ऐतिहासिक सफलता के बाद भगवान महादेव के चरणों में कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए संकल्पपूर्ति पूजा का आयोजन किया गया। इस पूजा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण परिवार उपस्थित रहकर पूजा अर्चना किया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष नंदू परब सहित भाजपा के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

करीब 14 वर्षों से प्रशासनिक और न्यायालयीन स्तर पर जारी इस लड़ाई में देवस्थान समिति, भारतीय जनता पार्टी और कई हिंदुत्ववादी संगठनों के साथ-साथ हजारों श्रद्धालुओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सभी के संयुक्त प्रयासों और आस्था के बल पर यह संघर्ष आखिरकार सफल हुआ।

राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में मंदिर के लिए 4 एकड़ 25 गुंठा जमीन मंजूर की गई, जिससे इस लंबे संघर्ष का सुखद अंत हुआ। इस खुशी के मौके पर आयोजित संकल्पपूर्ति पूजा में देवस्थान समिति के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। पूरे क्षेत्र में इस निर्णय को लेकर उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला।

2 उम्मीदवारों के 5 नॉमिनेशन पेपर दाखिल

■ आज होगी छंटनी

ठाणे. महाराष्ट्र विधान परिषद के होने वाले चुनाव 2026 के लिए ठाणे और पालघर चुनाव क्षेत्रों से कुल 5 नॉमिनेशन पेपर दाखिल किए गए हैं। चुनाव अधिकारी व जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने बताया। अभिजीत अंकुश पवार, राकांपा पार्टी (शरद पवार ग्रुप) और रवींद्र फाटक (शिवसेना) ने आज अपने नॉमिनेशन पेपर दाखिल किए हैं। आज नॉमिनेशन पेपर दाखिल करने का आखिरी दिन था। आज कुल 5 नॉमिनेशन पेपर दाखिल किए गए हैं। मंगलवार, 2 जून को दाखिल किए गए नॉमिनेशन पेपर की छटनी कल की जाएगी।

महापोली के फार्महाऊस में रखे गये परफ्यूम स्टाक में आग

■ सामान जलकर स्वाहा

भिवंडी. भिवंडी वाडा मार्ग स्थित महापोली गाँव काजू बांदल पाडा में नाज़ीर फार्महाऊस में 3.30 बजे आग लगने से लाखों रुपए का परफ्यूम का भंडारण आग की चपेट में आकर स्वाहा हो गया. घटना की सूचना मिलते ही भिवंडी अग्निशामक दल की 2 गाड़ियां पहुंचकर कड़ी मेहनत के बाद आग को करीब 3 घंटे में बुझाने में कामयाबी ह ासिल की.आग से कोई जनहानि नहीं हुई है. गणेशपुरी पुलिस स्टेशन वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक कमलेश बच्छाव घटनास्थल पर पुलिस दल के साथ मौजूद रहकर अग्निशमन दल के साथ सहयोग करते देखे गए.पुलिस आगजनी का प्रकरण दाखिल कर जांच कर रही है.

अंबरनाथ समाज मंदिर में शिक्षण प्राप्त कर रहे 2 विद्यार्थियों की उच्च स्तर पर नियुक्ति

■ वालेकर ने दोनों का किया सत्कार

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम के भास्कर नगर के समाज मंदिर में शिक्षण प्राप्त कर के तेजस राधे और लक्ष्मण केंगार ने उच्च पद प्राप्त किया है. उच्च पद पर नियुक्ति होने पर इनका अभिनंदन शहर में किया जा रहा है. शिवसेना के नगरसेवक एवं पूर्व उप नगराध्यक्ष राजेंद्र वालेकर के प्रयास से शहर के भास्कर नगर में कुछ वर्ष पूर्व समाज मंदिर का निर्माण किया गया था. इस समाज मंदिर के माध्यम से 22 विद्यार्थियों ने विविध पद पर नियुक्ति प्राप्त की है. इस भारी सफलता ने समाज मंदिर की परंपरा शैक्षणिक दृष्टि को और भी मजबूत किया है. ऐसा राजेंद्र वालेकर ने अपने बयान में कहा है. समाज मंदिर से शिक्षण प्राप्त किए हुए तेजस राधे की स्टेट रिजर्व पुलिस दल में एवं श्रीधर केंगार की नौट गोवा अंतर्गत टेक्निकल असीस ग्रुप बी इस पर नियुक्ति होने पर वालेकर ने दोनों का अभिनंदन किया है. भास्कर नगर परिसर का ही नहीं बल्कि अंबरनाथ शहर का भी दोनों ने नाम रौशन किया है. भास्कर नगर मजदूरों एवं मेहनतकश बस्ती में निर्माण किए गए समाज मंदिर सामाजिक एवं शैक्षणिक परिवर्तन का केंद्र बन गया है. सामान्य परिवार के विद्यार्थियों को सही मार्गदर्शन पढ़ाई की सुविधा और प्रेरणादायी वातावरण उपलब्ध करके देने का कार्य इस समाज मंदिर के माध्यम से होता रहा है. विद्यार्थियों को बड़ा बनने का सपना और उसे पूरा करने का मौका इस समाज मंदिर से पूरा हो रहा है. इन सफलताओं को देखते हुए मुझे बड़ी प्रसन्नता होती है, ऐसा वालेकर ने कहा है.

राजे शिवाजी स्कूल में मनपा और शेल्टर एसोसिएट्स ने 'मासिक महोत्सव' मनाया

ठाणे. वर्ल्ड मेंस्ट्रुएशन डे के मौके पर मनपा व शेल्टर एसोसिएट्स और म्यूज़ फाउंडेशन के साथ मिलकर लोकमान्य नगर के राजे शिवाजी स्कूल में 'मासिक महोत्सव' मनाया गया। यह पहल समाज में मेंस्ट्रुएशन को लेकर फैले अंधविश्वास, गलतफहमियों और शर्म को दूर करके महिलाओं और पुरुषों में जागरूकता लाने के मकसद से की गई थी।इस प्रोग्राम को सभागृह नेता हनुमंत जगदाले और महात्मा फुले शिक्षा सोसाइटी के जयंत घाडगे ने गाइड किया।शेल्टर एसोसिएट्स पिछले कई सालों से ठाणे मनपा एरिया की झुग्गियों में 'वन टॉयलेट' प्रोजेक्ट और अलग-अलग सफाई कैंपेन चला रहा है। इसी के तहत, गुरुवार (28 मई, 2026) को वर्ल्ड मेंस्ट्रुएशन डे के मौके पर एक खास प्रोग्राम रखा गया है।इस प्रोग्राम में गाने, लेक्चर, सवाल-जवाब, गेम और एक्सपर्ट गाइडेंस जैसी अलग-अलग एक्टिविटीज़ के ज़रिए मौजूद लोगों में पीरियड्स के बारे में जागरूकता पैदा की गई। प्रोग्राम की शुरुआत में, सीनियर एनवायरनमेंटल एक्सपर्ट विजयकुमार कट्टी ने पीरियड्स से जुड़े अंधविश्वासों और गलतफहमियों के बारे में कम्युनिटी को गाइड किया। उन्होंने यूज़ एंड थ्रो सैनिटरी पैड्स के एनवायरनमेंट पर पड़ने वाले बुरे असर के बारे में बताया और इको-फ्रेंडली ऑप्शन इस्तेमाल करने की अपील की।साथ ही, सवाल-जवाब सेशन के ज़रिए मौजूद महिलाओं और पुरुषों के मन में चल रहे शक और गलतफहमियों को दूर किया गया। शेल्टर एसोसिएट्स के प्रोजेक्ट मैनेजर अमोल गाडे ने ऑर्गनाइज़ेशन के पीरियड्स हाइजीन प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि ठाणे की अलग-अलग झुग्गियों की करीब 2000 महिलाओं ने मेंस्ट्रुअल कप इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। इससे सैनिटरी नैपकिन से होने वाला वेस्ट कम हुआ है और महिलाओं की हेल्थ बेहतर हुई है और पैसे भी बचे हैं। अमोल गाडे ने कहा, 'पीरियड्स छिपाने की बात नहीं है, बच्चे पर खुलना बात करना और इसका सही ख्याल रखना है।' म्यूज़ फ़ाउंडेशन के निशांत बंगेरा ने भी प्रोग्राम की अहमियत के बारे में बताया और हिस्सा लेने वालों को बधाई दी।इस मौके पर संस्था के वैभव काले, सुनीता सकुंडे, योगिता शिंदे, मनीषा सुर्वे और पूजा भालेराव मौजूद थे। लोकमान्य नगर इलाके की महिलाओं और पुरुषों ने वर्ल्ड पीरियड्स डे के मौके पर 'मासिक धर्म महोत्सव' में जोश के साथ हिस्सा लिया।

प्रॉपर्टी टैक्स की रसीदें बांटने वाले कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों को भत्ता दें

■ मनपा आयुक्त से की गई मांग

उल्हासनगर. यह पहली बार है जब उल्हासनगर मनपा ने प्रॉपर्टी टैक्स की रसीदें बांटने का काम कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों को दिया है और एक सामाजिक संगठन 'एक हाथ मदतीचा' ने मनपा कमिश्नर को एक ज्ञापन देकर इन कर्मचारियों को विशेष भत्ता देने की मांग की है.

संगठन के अध्यक्ष विजय डी. कदम, उपाध्यक्ष रवि जी. वलेचा, सचिव अतुल एम. शिंदे, उप सचिव करण यू. दराडे, कोषाध्यक्ष जयेश वी. बेलदार और सलाहकार दत्तात्रय बा. कदम के हस्ताक्षरों के साथ कमिश्नर को ज्ञापन दिया गया है.

ज्ञापन में कहा गया है कि हर साल प्रॉपर्टी टैक्स की रसीदें बांटने का काम महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से किया जाता है और उन्हें इसके लिए भुगतान किया जाता है. लेकिन इस साल यह काम मनपा के कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों को सौंपा गया है. कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी यह काम सही तरीके से कर रहे हैं. हालांकि, इस काम को करते समय कर्मचारियों को गाड़ी का किराया, पानी और खाने के लिए अपनी जेब से पैसे खर्च करने पड़ते हैं. गर्मी के दिनों की वजह से उन्हें शारीरिक रूप से भी परेशानी हो रही है. फिर भी, कर्मचारियों ने कोई शिकायत या उम्मीद नहीं जताई है.

अवैध देसी शराब भट्टियों पर कार्रवाई, लाखों का माल जब्त

ठाणे. ठाणे ग्रामीण पुलिस की स्थानीय क्राइम ब्रांच ने अवैध देसी शराब बनाने और बिक्री को रोकने के लिए सख्त रुख अख्तियार किया है। इसके तहत पुलिस ने शाहपुर और भिवंडी तहसील परिसर में कई स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने जहां 5 लाख रुपये से अधिक मूल्य का कच्चा माल और शराब बनाने में उपयोग होने वाले उपकरण जब्त किया है। वहीं 6 आरोपियों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। पुलिस अधीक्षक डॉ. विनयकुमार राठोड के मार्गदर्शन में विशेष मुहिम चलाई जा रही है। पुलिस उपनिरीक्षक महेश कदम की टीम ने शाहपुर पुलिस थाना क्षेत्र के सरलांबे, भातसा नदी किनारे और खुटघर इलाके में छापेमारी की। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस को देसी शराब बनाने में उपयोग होने वाले सामान और कच्चा माल बरामद हुआ, जिसकी कुल कीमत 3 लाख 31 हजार 500 रुपये बताई गई है। इस मामले में संतोष नारायण बसवंत, राजेंद्र अनिल अधिकारी, श्रीकांत कृष्णा अधिकारी और अतुल केशव वलटे के खिलाफ 3 अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं।

आम सूचना

हम श्रीमती अक्षता दिनेश तुल व श्री दिनेश तुकाराम तुल सभी को सूचित कर रहे हैं कि फ्लैट नं. 402, चौथा माला, राजीव पैलेस, रुम नं. 886, ब्लॉक नं. ए-443, सुभाष टेकड़ी, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 40सीओ009227300) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती मैरी विजी एडवर्ड के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 1.6.2026 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती अक्षता दिनेश तुल व
श्री दिनेश तुकाराम तुल

आम सूचना

मैं श्री विजय रामदास चौधरी सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, पोर्शन यु.नं. 107, चालता नं. 457, शीट नं. 84, शिव मंदिर के पीछे, शिव रोड, उल्हासनगर- 1 (टैक्स नं. 07एओ017645600) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती उषा रामदास चौधरी के नाम पर है उनका निधन 8.1.2026 व श्री रामदास तापीराम चौधरी का निधन 3.9.2013 को हो गया।। श्रीमती मंजुषा सुरेश चौधरी व श्रीमती सुलोचना राजेंद्र देशमुख ने रिलीज एग्रीमेंट 25.5.2026 सी.नं. 353/2026 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री विजय रामदास चौधरी

मुंबई में बिजली कटौती पर भड़कीं रूपाली गांगुली

■ अडाणी को टैग कर सवाल उठाए

■ ट्रोलर बोले- और मोदी के गुण गाओ

अनुपमा फेम एक्ट्रेस रूपाली गांगुली को घंटों बिजली जाने पर सवाल उठाने पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, रूपाली ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि उनके घर में बीती रात करीब 5 घंटे तक बिजली नहीं थी। सवाल उठाए जाने पर कुछ ट्रोलर्स ने ये कहते हुए एक्ट्रेस को ट्रोल कर दिया कि वो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुणगान करती हैं, लेकिन अब असुविधा होने पर शिकायत भी कर रही हैं।

मुंबई के वर्सोवा इलाके में रहने वाली रूपाली ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर बताया कि शनिवार रात 11 बजे से उनकी और पास की दो अन्य बिल्डिंग्स की बिजली गुल है। रूपाली ने बिजली सप्लाई करने वाली कंपनी अडानी ग्रुप को टैग करते हुए उनके चैटबॉट सर्विस पर भी गलत जानकारी देने का आरोप लगाया है।

■ रात 1 बजे से पूरी तरह गुल हुई बिजली

रूपाली गांगुली ने रविवार सुबह करीब 5:29 बजे X पर एक पोस्ट शेयर की। इसमें उन्होंने लिखा कि उनकी बिल्डिंग के साथ दो अन्य सोसाइटीज में शनिवार रात 11 बजे से बिजली की समस्या शुरू हुई थी। शुरुआत में लाइटें आती-जाती रहीं, लेकिन रात 1 बजे से बिजली पूरी तरह से गुल हो गई। उन्होंने मुंबई जैसे बड़े शहर में इस तरह की लंबी पावर कट की समस्या पर हैरानी जताई है।

■ कंपनी के चैटबॉट सर्विस पर उठाए सवाल

एक्ट्रेस ने अपनी पोस्ट में अडानी ऑनलाइन को टैग करते हुए कंपनी की कस्टमर सर्विस की आलोचना की। उन्होंने लिखा, 'आपका बेकार चैटबॉट पिछले 4 घंटों से कह रहा है कि समस्या 34 मिनट में ठीक हो जाएगी। अब वह कह रहा है कि इलाके में बिजली गुल है ही नहीं।' रूपाली ने कहा कि डिजिटल हेल्प डेस्क से कोई सही जानकारी नहीं मिल पा रही है और लोग परेशान हो रहे हैं।

कचरे के ढेर में लगी आग, कोई हताहत नहीं

ठाणे. ठाणे में कचरे के ढेर में आग लग गई। जिसके चलते परिसर में खलबली मच गई। आग लगने की घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड के जवान 1 फायर वाहन के साथ व आपत्ति व्यवस्थापन कक्ष के कर्मचारी 1 पिकअप वाहन के साथ पहुंचे। और लगी आग पर काबू पाया। इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। आपत्ति व्यवस्थापन कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार की सुबह 8 बजकर 18 मिनट के आसपास ठाणे पश्चिम के राबोड़ी, श्री रंग सोसायटी, बस स्टाप के बगल जमा कचरे में आग लग गई। आग लगने की जानकारी मिलते ही परिसर में खलबली मच गई। घटनास्थल पर फायर ब्रिगेड व आपत्ति व्यवस्थापन कक्ष के कर्मचारियों की मदद से आग पर काबू पाया।

कल्याण पूर्व (ग्रामीण) क्षेत्र में बिजली कटौती से लोग परेशान

■ एनसीपी (शरद पवार) की आंदोलन की चेतावनी

कल्याण. कल्याण पूर्व (ग्रामीण) क्षेत्र में महावितरण द्वारा बार-बार की जा रही बिजली कटौती अब नागरिकों के लिए असहनीय बन चुकी है। सुबह तड़के जब लोग गहरी नींद में होते हैं, तब बिजली गायब हो जाती है। दोपहर की भीषण गर्मी में बिना किसी ठोस कारण के एक-दो बार बिजली काट दी जाती है और शाम को फिर यही तमाशा शुरू हो जाता है। इस गैरजिम्मेदाराना और लापरवाह कार्यप्रणाली के कारण नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। एनसीपी (शरद पवार) ने इस समस्या की ओर ध्यान खिंचते हुए आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

कई बार बिजली आपूर्ति चालू होने के बावजूद एक फेज बंद रहता है, जबकि कई इलाकों में अत्यंत कम वोल्टेज (लो वोल्टेज) के साथ बिजली दी जा रही है। ऐसी स्थिति में नागरिकों के विद्युत उपकरण खराब हो रहे हैं। एसी, फ्रिज, टीवी, कंप्यूटर, पानी की मोटर और अन्य महंगे उपकरण जलकर या शॉर्ट होकर नष्ट हो रहे हैं। इस आर्थिक नुकसान की जिम्मेदारी क्या महावितरण लेने को तैयार है? कम वोल्टेज और लगातार बिजली कटौती के कारण छोटे अस्पतालों और क्लीनिकों में गंभीर स्थिति उत्पन्न हो रही है। अधिकांश इमारतों की लिफ्ट व्यवस्था बिजली पर निर्भर होने के कारण वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यदि कल्याण पूर्व (ग्रामीण) क्षेत्र में बेवजह बिजली कटौती, कम वोल्टेज की समस्या, एक फेज की लगातार खराबी, उपभोक्ताओं को डराने-धमकाने की प्रवृत्ति और प्रशासन की लापरवाही इसी तरह जारी रही, तो सड़क पर उतरकर तीव्र आंदोलन करने की चेतावनी एनसीपी पदाधिकारी वल्ली राजन ने दी।

आम सूचना

मैं श्री भिका विठ्ठल पाटील सभी को सूचित कर रहा हूं कि शॉप, 08/01, शिवाजी रोड, महात्मा फुले चौक, आनंद शाला के पास, ए ब्लाक रोड, उल्हासनगर- 1 (टैक्स नं. 08एओ020980200) उक्त प्रॉपर्टी श्री विठ्ठल हरी पाटील के नाम पर है उनका निधन 12.6.2025 को हो गया।। श्रीमती सिंधूबाई विठ्ठल पाटील व श्रीमती नम्रता गजानन चौधरी ने रिलीज एग्रीमेंट 28.5.2026 सी.नं. 394/2025 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री भिका विठ्ठल पाटील

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099